CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-02
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 06 अप्रैल 2024

आज का विचार

दयालु बनो, हर कोई एक कठिन लड़ाई लड़ रहा है...

पेज-4

सिंघल कॉलम

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी किया 48 पन्ने का घोषणापत्र

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष पी. चिदंबरम और कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा चुनाव, 2024 के लिए कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी किया। इस घोषणा पत्र को न्याय पत्र नाम दिया गया है। इसमें तमाम वर्गों के लिए न्याय पर जोर दिया गया है जिसमें महिला, युवा, किसान, गरीब आदि शामिल हैं। पार्टी ने घोषणा पत्र जारी करते हुए कहा कि देश में बेरोजगारी बड़ी समस्या है और यह सरकार अमीरों के लिए है। 48 पन्ने के न्याय पत्र में तमाम वर्गों और क्षेत्रों के लिए न्याय के 10 स्तंभों जोर दिया गया है। यह घोषणा पत्र पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की अध्यक्षता में तैयार किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बताया कि 19 मार्च को कांग्रेस कार्य समिति ने इसे मंजूरी दी थी। न्याय पत्र जारी करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान न्याय के पांच स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इनमें युवा न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय की घोषणा की गई थीं। इनमें 25 गारंटियां निकलती हैं। इन सभी को भी घोषणा पत्र में शामिल किया गया है।

लालू यादव के खिलाफ ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने जारी किया वारंट

ग्वालियर। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने स्थायी वारंट जारी किया है। यह वारंट साल 1995 में आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज हथियार सप्लाई के मामले में जारी किया गया है। पुलिस जांच में लालू प्रसाद यादव का नाम सामने आया था। सुनवाई के दौरान साल 1998 में लालू को अदालत ने फरार घोषित किया था। दरअसल, उत्तरप्रदेश की एक फर्म के संचालक राजकुमार शर्मा ने ग्वालियर की तीन आर्म्स फर्मों से फर्जीवाड़ा कर 23 अगस्त 1995 से 15 मई 1997 के बीच हथियार और कारतूस खरीदे। इन हथियारों और कारतूसों को बिहार में बेचा गया था। खरीददारों में लालू प्रसाद यादव का नाम भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि ये वही लालू प्रसाद यादव हैं, जो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के पूर्व रेल मंत्री रह चुके हैं। हालांकि, अदालत के रिकॉर्ड में मौजूद दस्तावेजों से इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी लालू प्रसाद यादव के पिता का नाम कुंद्रिका सिंह है जबकि बिहार के पूर्व सीएम के पिता का नाम कुंदन राय है। लालू के पिता का नाम केवल फरारी पंचनामे में लिखा है। मामले में कुल 23 आरोपी हैं। इनमें से 6 के खिलाफ कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। दो आरोपियों की मौत हो चुकी है जबकि 15 फरार हैं।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एलन मस्क ने लॉन्च किया कम्युनिटी नोट्स

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एलन मस्क ने एक्स पर कम्युनिटी नोट्स फीचर लॉन्च कर दिया है। एक्स का कम्युनिटी नोट्स फीचर किसी फोटो, वीडियो या टेक्स्ट के गलत होने की जानकारी देता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि एक्स पर गलत सूचना प्रसारित करने का लंबे समय से आरोप लग रहा है। मालिक बनने के बाद एलन मस्क ने एक्स पर पेड वेरिफिकेशन सर्विस लॉन्च की थी जिसके बाद फर्जी अकाउंट और गलत सूचना के फैलने का ज्यादा खतरा हो गया है। आज कोई भी किसी भी प्रसिद्ध शख्स के नाम से अकाउंट बनाकर ब्लू टिक ले सकता है। ऐसे में भ्रम की स्थिति पैदा होती है। चुनाव से ठीक पहले कम्युनिटी नोट्स का लॉन्च होना एक बड़ा चैलेंज साबित होगा। बता दें देश में 19 अप्रैल से 1 जून के बीच लोकसभा चुनाव होने वाला है जो कि सात चरणों में होगा। चुनाव परिणाम चार जून को जारी होंगे। कम्युनिटी नोट्स फीचर को लॉन्च करते हुए एलन मस्क ने कहा- कम्युनिटी नोट्स अब भारत में भी एक्टिव है। भारत में नए योगदान का स्वागत है। उन्होंने कहा कि कंपनी एक्स के कंटेंट को मॉनिटर करेगी और उसकी सटीकता और प्रमाणिकता की भी जांच करेगी। एक्स के हेल्प सेंटर पर दी गई जानकारी के मुताबिक कम्युनिटी नोट्स एक ऐसा टूल है जो एक्स प्लेटफॉर्म पर किसी सूचना के सही होने का प्रमाण देता है। यदि कोई सूचना किसी को गलत या गुमराह करने वाली लगती है तो कोई भी वहां पर एक कॉन्टेक्स्ट एड कर सकेगा, ऐसे में अन्य लोगों को उसके बारे में जानकारी मिल जाएगी कि वह सूचना सही या गलत।

चुनाव आयोग के आंकड़े: लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के करीब एक पखवाड़े बाद सामने आया डेटा

युवाओं में घट रही वोटिंग की दिलचस्पी

40% से भी कम ने बनवाई वोटर आईडी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन सबसे कम उम्र के मतदाता यानी 18 और 19 साल के युवा अपना वोट डालने के लिए अनिच्छुक लग रहे हैं। 2024 में देशभर के कुल युवाओं में से 40 फीसदी से कम ने मतदान के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। भारत में सबसे कम उम्र के मतदाता, जिनकी उम्र 18 या 19 साल है, वो आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे। इसमें बिहार, दिल्ली और उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में रजिस्ट्रेशन की दर और भी कम है। चुनाव आयोग के आंकड़ों से पता चलता है कि इस आयु वर्ग में अनुमानित 4.9 करोड़ नए वोटर्स हैं, इनमें से केवल 38 फीसदी ही रजिस्टर्ड हैं।

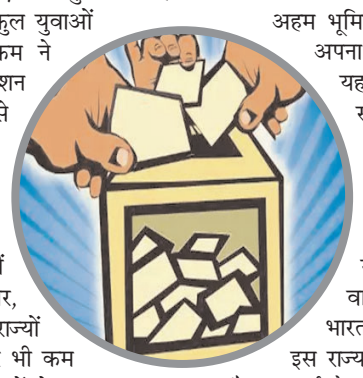

18-19 के युवा वोटरों में दिख रहा कम उत्साह- लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के करीब एक पखवाड़े बाद इलेक्शन कमिशन ने आंकड़े जारी किए हैं। इनमें 18 और 19 वर्ष के लगभग 1.8 करोड़ से कुछ ज्यादा ही नए मतदाता वोटिंग लिस्ट से जुड़े हैं। इस आयु वर्ग की अनुमानित संख्या 4.9 करोड़ से कम है। इसका अर्थ है कि पहली बार मतदान करने वाले वोटरों में से करीब 38 फीसदी ही मतदाता सूची में रजिस्टर्ड हैं। तेलंगाना इस लिस्ट में टॉप पर है। राज्य में 18-19 आयु वर्ग में 8 लाख (66.7ह्न) से अधिक वोटर्स रजिस्टर्ड हैं। इस सूची में बिहार सबसे नीचे है, जहां संभावित 54 लाख में से केवल 9.3 लाख (17ह्न) वोटर्स ही रजिस्टर्ड हैं।

विडंबना यह है कि... विडंबना यह है कि जिन लोगों की भविष्य में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है, उन्होंने ही उस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए सबसे कम इंटरेस्ट दिखाया जो उनके फ्यूचर को आकार देने में बेहद अहम है। बेशक, यह संख्या थोड़ी बढ़ सकती है क्योंकि चुनाव आयोग, राजनीतिक दल और विभिन्न सिविल सोसायटी ग्रुप्स यह सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहे कि हर वोटर अपना रजिस्ट्रेशन कराएं, लेकिन वे यह आंकड़ा कितना आगे बढ़ा सकते हैं देखना होगा?

तेलंगाना में युवा वोटर्स की अच्छी संख्या -सबसे कम उम्र के आयु वर्ग को शामिल करने में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य तेलंगाना है, जो भारत का सबसे नया राज्य है। इस राज्य में 8 लाख से अधिक 18 और 19 वर्ष के मतदाता मतदाता सूची में हैं, जो इस आयु वर्ग के लिए अनुमानित 12 लाख की जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई या 66.7 फीसदी है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल दो अन्य राज्य हैं जो 60 फीसदी या उससे अधिक युवा वोटर्स के रजिस्ट्रेशन में सफल रहे हैं।

यूपी-बिहार का हाल भी जान लीजिए दूसरी ओर, देश की सबसे कम उम्र की आबादी के रजिस्ट्रेशन वाला राज्य बिहार है, जहां संभावित 54 लाख में से केवल 9.3 लाख युवा मतदाता हैं। दिल्ली की बात करें तो यहां 7.2 लाख युवाओं में से केवल 1.5 लाख मतदाता रजिस्टर्ड हैं, जो हर पांच में से एक यानी 21 फीसदी से थोड़ा अधिक है। यूपी में 23 फीसदी और महाराष्ट्र में 27 फीसदी युवाओं ने रजिस्ट्रेशन के साथ खास बेहतर प्रदर्शन नहीं किया है। विडंबना यह है कि राजनीतिक दलों की ओर से युवाओं को भारत के भविष्य और चुनावी नतीजों के लिए महत्वपूर्ण बताने के बाद भी यह संख्या इतनी कम है। आंकड़ों का यह भी मतलब है कि लोकसभा सीटों के मामले में पांच सबसे बड़े राज्यों में से तीन - यूपी, महाराष्ट्र और बिहार में 18 और 19 वर्ष के एक चौथाई या उससे कम वोटर मतदान के लिए रजिस्टर हैं।

ईडी को फटकार: छत्तीसगढ़ के कथित शराब नीति घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने की तल्ख टिप्पणी

न अपराध, न अवैध आय, क्यों न रद्द करें मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप ?

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के कथित शराब नीति घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान तल्ख टिप्पणी की है और कहा है कि अब तक के उपलब्ध साक्ष्यों से न तो अपराध होने की पुष्टि हो पा रही है और न ही आरोपी द्वारा उस कथित अपराध से आय की पुष्टि हो पा रही है तो क्यों नहीं मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप रद्द कर दिए जाएं? यह ठीक वैसा ही मामला है, जैसे कुछ दिनों पहले दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी और छह महीने से जेल में बंद आप सांसद संजय सिंह को जमानत दे दी थी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने आईएएस अधिकारी अतुल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा सहित मामले के छह आरोपियों द्वारा दायर रिट याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इस मामले में भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू मामले की पैरवी कर रहे थे। जस्टिस ओका ने कहा, मामले में अगर कोई निरपेक्ष अपराध नहीं हुआ है, तो अपराध से कोई आय भी नहीं हुई है। इसलिए इसमें मनी लॉन्ड्रिंग नहीं हो सकती है।

आरोप रद्द करने की इच्छा जताई- इसके साथ ही जस्टिस ओका ने कथित शराब घोटाले के कुछ आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप रद्द करने की इच्छा जताई। इससे पहले कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ लगाए गए आयकर अधिनियम के कथित उल्लंघन से जुड़े कार्यवाही पर भी रोक लगा दी थी। याचिकाकर्ताओं ने ईडी के उस तर्क का विरोध किया था कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कोई भी अपराध आयकर अधिनियम का कथित उल्लंघन है।

कोई अपराध किया ही नहीं गया- जैसे ही कोर्ट ने सुनवाई शुरू की। वैसे ही जस्टिस ओका ने शुरुआत में ही टिप्पणी की कि ईडी की इस शिकायत पर विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि कोई अपराध नहीं किया गया है। इस पर, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने जवाब दिया कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ एक नया विधेय अपराध दर्ज किया गया है, जिसके आधार पर ईडी द्वारा एक अलग प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दायर की जानी है। इस पर जस्टिस ओका ने एएसजी से फिर पूछा, क्या आपने ऐसा किया है? एएसजी ने जवाब दिया कि बाद के विधेय अपराध पर रोक के कारण, नई शिकायत दर्ज नहीं हो सकी है।

यह है मामला- छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार के दौरान आबकारी नीति में संशोधन कर अधिकारियों पर शराब आपूर्तिकर्ताओं से मिलीभगत कर 2161 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार करने के आरोप हैं। इस मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया था कि कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने निजी और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ मिलकर राज्य सरकार को नुकसान पहुंचाने और शराब के कारोबार में अवैध लाभ कमाने के लिए आपराधिक कृत्य किए हैं। ईडी ने कहा था कि उसकी जांच से पता चला है कि छत्तीसगढ़ में एक आपराधिक गिरोह काम कर रहा था। पिछले वर्ष जुलाई में ईडी ने रायपुर की एक पीएमएलए अदालत में कथित शराब घोटाला मामले में अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) दायर किया था।

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का ऐलान

एआई पर लगाम के लिए बनेगा कानून

चुनाव के बाद जारी होगी एडवाइजरी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों के लिए मुसीबत बन रहा है। भारत में एआई और डीपफेक के खिलाफ कानून लाने की बात लंबे समय से हो रही है। अब केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत आम चुनाव के समापन के ठीक बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) नियमों को कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। डीपफेक का इस्तेमाल चुनाव में भी हो सकता है। ऐसे में सरकार को चुनाव से पहले ही इस संबंध में कानून लाना चाहिए।

भारत प्रौद्योगिकी के उदय के साथ सामने आए विभिन्न मुद्दों से निपटने के लिए किसी प्रकार का नियामक ढांचा बनाने की योजना बना रहा है। विशेष रूप से, यह भारत सरकार द्वारा एक एडवाइजरी जारी करने के ठीक एक महीने बाद आया है, जिसमें तकनीकी कंपनियों को देश में अंडर-टेस्टिंग या अविश्वसनीय एआई मॉडल तैनात करने से पहले स्पष्ट अनुमति लेने के लिए कहा गया था। एक इंटरव्यू में वैष्णव ने एआई के लिए एक बड़ा नियामक ढांचा बनाने की सरकार की योजना के बारे में बताया। उन्होंने कहा, एक विचार एक स्व-नियामक निकाय बनाने का है, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह पर्याप्त होगा। हमारा विचार है कि यह नियमन विधायी पद्धति से होना चाहिए। हम पहले ही टेक कंपनियों से परामर्श कर चुके हैं। चुनाव के बाद, हम एक औपचारिक परामर्श प्रक्रिया शुरू करेंगे और कानून की दिशा में आगे बढ़ेंगे। भारत में डीपफेक के तौर पर एआई का गलत इस्तेमाल उस वक्त एक बड़ा मुद्दा बना जब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद सार्वजनिक सुरक्षा पर बहस छिड़ गई थी। अभिनेता आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और डांसर और प्रभावशाली नोरा फतेही जैसी अन्य हस्तियां भी डीपफेक का शिकार हो चुकी हैं।

आतंकी कहीं भी चले जाएं, छोड़ेंगे नहीं, पाक में घुसकर मारेंगे, राजनाथ सिंह का दो टूक जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट पर दो टूक जवाब देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि यदि आतंकवादी भारत में शांति भंग करने का प्रयास करेंगे या आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश करेंगे तो भारत चुप नहीं बैठेगा। विदेश में बैठे आतंकियों को भी मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ कहा है कि आतंकी अगर पाकिस्तान भाग गए तो भारत उन्हें घुसकर मार गिराएगा। रक्षा मंत्री ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। द गार्जियन की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के एक अभियान के तहत पाक में कई आतंकियों की हत्या की है। इस रिपोर्ट के बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश के आतंकवादी भारत में शांति भंग करेगा या अनैतिक गतिविधियों को अंजाम देगा तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। एक इंटरव्यू में राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर वे पाक भाग जाएंगे तो हम उन्हें मारने के लिए पाक में भी घुसेंगे।रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत के पास सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की ताकत है और अब इस बात का अहसास पाकिस्तान को भी हो चुका है। भारत अब मूकदर्शक बनकर नहीं रहेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। भारत ने आज तक किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया है। न ही किसी देश की एक इंच जमीन पर कब्जा किया है। अगर कोई भारत को गुस्से भरी आंखें दिखाएगा तो हम चुप बैठेंगे, हम उन्हें जवाब जरूर देंगे।

सास-बहू के झगड़े पर फैसला: मप्र हाईकोर्ट ने निचली अदालत का आदेश किया खारिज, आईपीसी की धारा 498 ए को लेकर कही बड़ी बात

सास द्वारा अपनी बहू को घर के रोजमर्रा के काम में टोकना क्रूरता नहीं

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि सास द्वारा अपनी बहू को घर के रोजमर्रा के काम में टोकना या सब्जी में नमक कम और मिर्ची ज्यादा जैसे सवाल पूछना न तो गलत है और न ही यह कृत्य भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के तहत मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता सास के खिलाफ दायर एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया की सिंगल बेंच ने अपने फैसले में कहा कि अगर घरेलू कार्यों में सास द्वारा की गई टीका टिप्पणी या कुछ आपत्तियों के कारण बहू को मानसिक रूप से उत्पीड़न मिलता है, तो यह कहा जा सकता है कि बहू अतिसंवेदनशील हो सकती है लेकिन, कुछ विवादों के साथ घरेलू कार्यों का ध्यान रखना निश्चित तौर पर क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता है।

बेटे-बहू के झगड़े से दूर रहना भी क्रूरता नहीं -जस्टिस अहलूवालिया ने यह भी कहा कि अगर कोई सास अपने बेटे-बहू यानी पति-पत्नी के जीवन में होने वाले व्यक्तिगत झगड़ों से दूर रहने की कोशिश करती है, तब भी नहीं कहा जा सकता कि सास का ऐसा कृत्य आईपीसी की धारा 498ए के अनुसार क्रूरता की श्रेणी में आएगा। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता अलका शर्मा (सास) द्वारा दायर एक याचिका को स्वीकार करते हुए ये टिप्पणियां की हैं।

यह है पूरा मामला- याचिकाकर्ता सास ने अपनी याचिका में बहू द्वारा आईपीसी की धारा 498ए,आईपीसी की धारा 34 और दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत दर्ज मामले और उसकी कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। दरअसल, जिस वक्त प्रतिवादी (बहू) का शादी याचिकाकर्ता अलका शर्मा (सास) के बेटे से हुई थी, उस वक्त शर्मा उत्तराखंड के चकराता में सरकारी नौकरी कर रही थीं। बेटे की शादी के चार महीने बाद बाद उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृति ले ली और बेटे-बहू के साथ रहने पुणे चली गईं। बहू के आरोपों के मुताबिक, उनकी सास रोजमर्रा के काम में बाधा पहुंचाने लगीं और टोका-टाकी करने लगी।

बहू ने ये आरोप भी लागाए- आरोप है कि पीड़िता के पति ने भी इसमें अपनी मां का ही साथ दिया। आरोप में कहा गया कि उनकी सास अकसर बेटे की कुंडली में दो शादी का जिक्र करती थीं। इससे उसे मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। बहू ने यह भी आरोप लगाया है कि जब उसके पति ने उसे सार्वजनिक तौर पर बेइज्जत किया, तभ भी सास ने उसमें हस्तक्षेप नहीं किया।

निचली अदालत ने सास को आरोपी माना था- जबलपुर जिले की निचली अदालत ने इस मामले में सास को आरोपी माना था और उसे मानसिक क्रूरता पहुंचाने का दोषी करार दिया था। इसके खिलाफ सास ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें जस्टिस अहलूवालिया की पीठ ने स्पष्ट आदेश दिया है कि बहू को रोजमर्रा के काम में टोकना या बेटे-बहू के झगड़े में न कूदना मानसिक क्रूरता नहीं है और सास के खिलाफ दायर एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया।

सिंगल कॉलम

इंदौर में निजी अस्पताल की मनमानी, थमाया 16 लाख से अधिक का बिल

इंदौर। शहर के निजी अस्पतालों की मनमानी कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। मरीजों को कम खर्च में इलाज का हवाला दिया जाता है और फिर मोटा बिल बनाया जाता है। विजय नगर क्षेत्र के निजी अस्पताल में एक मरीज को आपरेशन और अन्य खर्च बताकर तीन लाख रुपये में इलाज करने का वादा कर भर्ती किया, लेकिन जब मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई तो अस्पताल से 16.70 लाख रुपये का बिल बना दिया। मौत सुबह 7 बजे हुई थी, लेकिन स्वजन को हंगामे के बाद शव 11 घंटे बाद शाम 6 बजे सौंपा गया। दरअसल 54 वर्षीय महेश कदम निवासी भाग्य लक्ष्मी कालोनी (सुखलिया) को प्रोक्टाइटिस के इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था, लेकिन 36 दिन बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बेटे शक्ति कदम ने बताया कि यहां डाक्टरों ने आपरेशन और अन्य खर्च करीब तीन लाख रुपये हमें बताया था। हमने इस खर्च को पांच लाख रुपये तक मान लिया था। शुक्रवार सुबह 7 बजे मेरे पिता की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल से हमें 16.70 लाख रुपये का कुल बिल थमा दिया। इसमें से पहले ही मैं साढ़े नौ लाख रुपये जमा कर चुका हूं। इसके अलावा करीब 10 लाख रुपये की दवाई भी खरीद चुका हूं। मैंने अपने क्रेडिट कार्ड और लोन लेकर अभी तक का बिल जमा किया था, लेकिन अब आगे बिल जमा करने में सक्षम नहीं हूं। सुबह से शव देने की मांग कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मैंने सीएम हेल्पलाइन और स्वास्थ्य विभाग में भी इसकी शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। हालांकि शाम को जब बड़ी संख्या में स्वजन हंगामा करने पहुंचे तो शव सौंप दिया गया। साथ ही बिल की राशि भी जमा नहीं करवाई गई।

इंदौर में दो साल में 794 करोड़ से विकसित होगी छह टाउन प्लानिंग स्कीम योजनाएं

इंदौर। शहर के बायपास, देवास नाका और सुपर कारिडोर क्षेत्र में विकसित की जा रही टाउन प्लानिंग स्कीम (टीपीएस) में विकास कार्य जारी है। इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) इन योजनाओं में 794 करोड़ रुपये में सड़क, ड्रेनेज आदि विकास कार्य कर रहा है। दो साल में सभी योजनाओं में अधिकांश विकास कार्य पूरे हो जाएंगे। प्राधिकरण की टीपीएस-9 में जमीन मालिकों को मिले स्टे के कारण सड़क आदि निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इंदौर के आसपास आइडीए द्वारा 1089 हेक्टेयर भूमि पर छह टीपीएस विकसित की जा रही है। इन योजनाओं में विकास कार्यों के लिए आइडीए बोर्ड द्वारा 794 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। वर्ष 2026 तक इन टीपीएस में विकास कार्य पूरे करने का लक्ष्य तय किया गया है।सूत्रों का कहना है कि टीपीएस-9 को लेकर कई जमीन मालिक ने आपत्ति दर्ज कराई है। इसमें कई जमीन पर स्टे मिल चुका है। करीब 90 लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई है। इस वजह से यहां विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। योजना में बनाई जाने वाली सड़कों का निर्माण बाधित हो रहा है। एक योजना पर स्टे के कारण काम बंद आइडीए द्वारा सात टीपीएस पर काम किया जा रहा है। इसमें टीपीएस-4 पर हाई कोर्ट का स्टे चल रहा है। इसके अतिरिक्त छह टीपीएस में काम जारी है। आइडीए द्वारा विकसित की जा रही 48 हेक्टेयर में टीपीएस-1 विकसित हो रही है। 143 हेक्टेयर में टीपीएस-3, 150 हेक्टेयर में टीपीएस-5, 279 हेक्टेयर में टीपीएस-8, 259 हेक्टेयर में टीपीएस-9 और 210 हेक्टेयर में टीपीएस-10 विकसित हो रही है। छोटे प्लाटों की प्लानिंग टीपीएस में मध्यवर्गीय परिवारों के लिए छोटे प्लाटों की प्लानिंग की जा रही है। टीपीएस-5 और 8 में करीब एक हजार वर्गफीट आकार के कुछ प्लाटों की योजना पर काम कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त बड़े प्लाट भी इन योजनाओं में निकाले जाएंगे। सभी योजनाओं में बनाई जाने वाले बगीचों और सड़क किनारे पौधारोपण किया जाएगा।

इंदौर में 22 हजार से ज्यादा नल कनेक्शन हुए वैध, जिम्मेदार कौन इसका पता नहीं

इंदौर। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे इंदौर नगर पालिक निगम ने फरवरी में अवैध नल कनेक्शनों को वैध करने की योजना जारी की थी। योजना के तहत इंदौर में अब तक 22 हजार 119 नल कनेक्शन वैध किए जा चुके हैं। हर कनेक्शन को वैध करने के बदले नगर निगम ने कालोनियों में छह हजार रुपये और बस्तियों में सिर्फ ढाई हजार रुपये का शुल्क वसूला है। तंगहाली से जूझ रहे नगर निगम ने राजस्व जुटाने की गरज से पानी चोरी करने वालों पर मेहरबानी तो कर दी है, लेकिन नियम-कायदों का पालन कर रहे नागरिक खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। इंदौर नगर निगम जलप्रदाय पर सालाना सवा चार सौ करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करता है। इसके मुकाबले जलकर से उसे सिर्फ 80 करोड़ रुपये की आय होती है। यानी स्पष्ट है कि बड़े पैमाने पर अवैध नल कनेक्शन चल रहे हैं और पानी की चोरी भी हो रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार अवैध से वैध किए कनेक्शनों से नगर निगम को कुल जमा 7.23 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। निगम ने अपने जोनल कार्यालयों को ही नल कनेक्शन देने का जिम्मा दिया हुआ है।

इंदौर के शासकीय अस्पतालों में चिकित्सकों को अब एक क्लिक पर मिलेगी रोगियों की जानकारी

सिटी चीफ...इंदौर। एमजीएम मेडिकल कालेज में ई-लर्निंग साफ्टवेयर की जगह हास्पिटल मैनेजमेंट इंफार्मेशन साफ्टवेयर संचालित किया जाएगा। इसमें अब चिकित्सकों को एक क्लिक पर ही रोगियों की संपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। इसके लिए हाल ही में सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में डाक्टर सहित अन्य स्टाफ को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अभी इसकी डेमो आइडी स्टाफ को दे दी गई है। अब तक जांच की रिपोर्ट सिर्फ रोगियों को ही फोन पर उपलब्ध होती थी, लेकिन अब डाक्टर के पास जाने के साथ ही रिकार्ड में भी होगी। इससे मरीज को अपनी पुरानी रिपोर्ट भी साथ नहीं लानी होगी। साफ्टवेयर से एमवाय अस्पताल, सुपर स्पेशिएलिटी, शासकीय कैंसर अस्पताल, स्कूल आफ एक्सीलेंस फार आई, मानसिक चिकित्सालय, एमटीएच, मनोरमा राजे टीबी अस्पताल और चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय को जोड़ा गया है। रोगियों के ओपीडी, आइपीडी का भी होगा रिकार्ड इस साफ्टवेयर में रोगियों के ओपीडी, आइपीडी रिकार्ड की भी जानकारी जुड़ जाएगी, ताकि चिकित्सकों को पता चल सकेगा कि यह मरीज कितनी बार दिखाने आया है और कितनी बार भर्ती करने की आवश्यकता पड़ी है। इससे यह भी जानकारी मिल पाएगी कि किस डाक्टर की ड्यूटी किस समय कहां लगी हुई है। अस्पताल में कितने मरीज भर्ती हैं और कितने बिस्तर खाली हैं। यह जानकारी भी साफ्टवेयर के माध्यम से उपलब्ध हो सकेगी। इससे रोगियों के साथ ही चिकित्सकों को भी सुविधाएं मिलने लगेंगी। साफ्टवेयर संचालित करने की ट्रेनिंग डाक्टर, नर्सिंग स्टाफ, कम्प्यूटर्स आपरेटर, मेडिसिन स्टोर, लैब टेक्नीशियन, रिकार्ड स्टाफ, बिलिंग स्टाफ आदि को दी गई है। एक नजर में

- 08 अस्पतालों को जोड़ा साफ्टवेयर से
- 03 दिन चली डाक्टरों और स्टाफ की ट्रेनिंग
- सभी विभागों को जोड़ा साफ्टवेयर से - हर वर्ष लाखों मरीज आते हैं एमजीएम से जुड़े अस्पतालों में - बेड की उपलब्धता की जानकारी मिलेगी साफ्टवेयर से स्टोर में दवाई की स्थिति भी साफ्टवेयर में होगी साफ्टवेयर में अस्पताल के स्टोर में मौजूद दवाइयों की स्थिति का भी रिकार्ड होगा। इससे यह पता चल सकेगा कि किस दवाई का उपयोग अधिक हो रहा है, किस दवाई की आवश्यकता है। साथ ही किन दवाइयों की आवश्यकता है, वह भी जानकारी इसमें उपलब्ध होगी। वर्तमान में कई बार रोगियों को दवाइयां नहीं मिलने की समस्या आती रहती है, लेकिन साफ्टवेयर के बाद इस समस्या से भी निजात मिलने लगेगा। बता दें कि अस्पतालों को हाइटेक बनाने के लिए यह साफ्टवेयर संचालित किया जा रहा है।

इंदौर के लिए अलग से घोषणा पत्र, अलग वर्गों से फीडबैक जुटा रही कांग्रेस

सिटी चीफ...इंदौर। ताजा लोकसभा चुनाव में कांग्रेस परंपरा से थोड़ा हटकर इंदौर के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश में जुट रही है। कांग्रेस द्वारा जारी किए जा रहे राष्ट्रीय घोषणा पत्र से अलग इंदौर के लिए भी एक और घोषणा पत्र जारी किया जा रहा है। कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय बम ही स्थानीय स्तर पर घोषणा पत्र जारी करने के काम में जुटे हैं। उम्मीद की जा रही है इंदौर का घोषणा पत्र बनने के बाद प्रदेश कांग्रेस इसी तर्ज पर अन्य शहरों के घोषणा पत्र भी जारी कर सकती है। टिकट घोषित होने से पहले इंदौर लोकसभा सीट पर चुनावी मुकाबले में कांग्रेस को दरकिनार करने वालों को संगठन चौंकाने की तैयारी में जुटा है। दरअसल लोकसभा क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों से उम्मीदवार अक्षय बम ने कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ लोगों से सुझाव और समस्याओं की सूची मांगी है। इसी के साथ उम्मीदवार की टीम बीते दिनों से अलग-अलग समाज, सामाजिक संगठनों और वर्गों के बीच पहुंचकर उनके सुझावों की सूची बना रही है।इसमें शिक्षा जगत से लेकर किसान, श्रमिक, पेशेवरों के साथ व्यापारी, उद्योगपति व युवाओं से भी सुझाव लिए गए हैं। कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं के पास भी उम्मीदवार की ओर से आग्रह पहुंचा है कि वे घोषणा पत्र के लिए सुझाव दें। दरअसल कांग्रेस चुनाव को स्थानीय विकास और क्षेत्र के लोगों पर केंद्रित करने में जुटी नजर आ रही है। नामांकन के साथ जारी होगा कांग्रेस उम्मीदवार इंदौर से अप्रैल मध्य के बाद कभी भी नामांकन दाखिल कर सकते हैं। उम्मीद है कि नामांकन के ठीक बाद कांग्रेस इंदौर का घोषणा पत्र जारी कर सकती है। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का घोषणा पत्र रोजगार, न्याय जैसी उपमाओं पर केंद्रित है। स्थानीय घोषणा पत्र इससे हटकर पूरी तरह स्थानीय मुद्दों पर ध्यान खींचने वाला रहेगा। कांग्रेस घोषणा पत्र के साथ ही भाजपा के बीते दौर की विफलताओं को भी उठाने की कोशिश में जुटी है। इससे पहले भाजपा की रणनीति रही है कि वह चुनाव के दौरान स्थानीय मुद्दों व हर क्षेत्र के लिए अलग घोषणाएं वचन पत्र जारी करती रही है। कांग्रेस उसी अंदाज में मुकाबले में आगे

सिर्फ नदी ही नहीं, कई विशेषताओं का अनुपम संगम है यहां, इंदौर से 115 किमी दूरी पर है यह स्थान

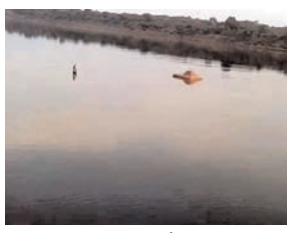

सिटी चीफ...इंदौर। स्कूल-कालेज में भले ही अभी कक्षाएं लग रही हैं लेकिन गर्मी की छुट्टी का माहौल भी मौसम के तल्ख होते अंदाज के साथ बनने लगा है। विडंबना यह है कि छुट्टियां लगी नहीं और मन बावरा सैर सपाटे के लिए बेचैन हैं। ऐसे में मन में उहापोह इस बात की है कि घूमने जाएं तो कहां। इंदौरी तो यूं भी सैर-सपाटे के शौकीन हैं। अपने इस शौक को पूरा करने के लिए और कम वक्त में बेहतर स्थान की यात्रा कर 'एंजाय' करने का ठीया इंदौरियों ने ढूंढ ही लिया। वह भी शहर से ज्यादा दूर नहीं। एक ऐसा स्थान जो हर उम्र और हर तासीर के व्यक्ति के लिए माकूल है।

यह ऐसा स्थान है जो प्रकृति से प्रेम करने वालों को भी रास आएगा तो अध्यात्म और ध्यान में मगन रहने वालों के लिए भी मुनासिब साबित होगा। जिनका मन सेवा में रमता है वे भी यहां जा सकते हैं और जो इतिहास की परतों को खोलते हुए कुछ खोजना चाहते हैं, ग्रामीणों के बीच जाकर किवदंतियों में खो जाना चाहते हैं उनके लिए भी यहां बहुत कुछ है। यह स्थान है संगम वाटर फाल जो कि इंदौर से 115 किमी दूर है। यूं तो दो नदियों के संगम स्थल होने के कारण इसे यह नाम दिया गया लेकिन यहां नदी ही नहीं बल्कि इतिहास, धर्म, अध्यात्म, सेवा, प्रकृति सभी का संगम है। ऐसे पहुंच सकते हैं शुरू करते हैं इंदौर से यहां तक की यात्रा। इंदौर से महू-मानपुर होते हुए धामनोद जाएं और वहां से खलघाट का रुख करें। खलघाट चौराहे से आप धरमपुरी के राजवाड़ा बस स्टैंड पहुंचें। बस स्टैंड के पास से सीतलामाता घाट की ओर आपको बढ़ना होगा। यहां तक आप अपने वाहन से पहुंच सकते हैं पर आगे का सफर नाव से तय करना होगा जो और भी मनोरम रहेगा। आप चाहें तो धरमपुरी भी घूम सकते हैं। धरमपुरी का स्थान इतिहास में भी बहुत मायने रखता है। यही वह जगह है जहां रानी रूपमती का जन्म हुआ था। इसके अलावा भी धरमपुरी में बहुत से प्राचीन मंदिर हैं जिनकी अपनी मान्यताएं और विशेषता है। इनमें चिंतामण गणेश मंदिर, मां मनोकामना मंदिर, दत्तात्रेय मंदिर, बिहारी मंदिर आदि प्रमुख हैं। बर्ड वाचिंग का भी ले सकते हैं आनंद यूथ होस्टल के अशोक गोलाने बताते हैं कि संगम वाटरफाल नर्मदा और खूंज नदी का संगम स्थल है। वर्षा ऋतु में यहां सुंदर जलप्रपात नजर आता है इसलिए इसे संगम वाटरफाल नाम दिया गया है। शेष दिनों में यह संगम जरूर देखा जा सकता है। यूं तो निमाड़ में गर्मी के अंदाज कुछ ज्यादा ही तीखे होते हैं लेकिन इन दिनों यहां जाया ही जा सकता है और यहां रात बिताना और भी सुकून दे सकता है। संगम के साथ यहां नर्मदा नदी के बीच टापू पर सिद्धेश्वर महादेव मंदिर भी बना हुआ है। मंदिर छोटा जरूर है लेकिन यह प्राचीन है और इसका परिसर विशाल है। टापू पर सघन वृक्ष हैं जहां छांव के साथ तरह-तरह के परिंदों की कोई कमी नहीं। यदि यहां आप रात रूकते हैं तो सुबह बर्ड वाचिंग का भी आनंद लिया जा सकता है। मंदिर परिसर में कुछ कमरे भी बने हैं और रसोई भी है जहां आप भोजन बना सकते हैं। भोजन बनाने के लिए आपको बर्तन भी यहीं मिल जाएंगे। पेयजल आदि की भी समुचित व्यवस्था है। गोशाला में कर सकते हैं सेवा जिनके मन में पशुओं के प्रति सेवा करने का भाव है वे भी यहां जाकर अपनी यह तमन्ना पूरी कर सकते हैं। मंदिर परिसर में गोशाला है जहां ऐसे बछड़े-बछिया हैं जो किन्हीं कारणों से अपनी मां से अलग हो गए हैं। इन्हें यहा इंसान की बच्चे की तरह ही बोतल से दूध पिलाया जाता है। आप चाहें तो इनकी सेवा

इंदौर में 21 चेकपोस्ट और 1340 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग के जरिये होगी निगरानी

सिटी चीफ...इंदौर। लोकसभा निर्वाचन के दौरान निष्पक्ष मतदान कराने के लिए चप्पे-चप्पे पर निगरानी रहेगी। इसके लिए जिले में प्रमुख मार्गों पर चेकपोस्ट बनाए गए हैं। इनमें से चयनित 21 चेकपोस्ट (नाकों) पर वेबकास्टिंग के जरिये निगरानी की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा 1340 मतदान केंद्रों पर भी वेबकास्टिंग से निगरानी रखी जाएगी। इंदौर जिले में 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान की तैयारियों के साथ ही चेकपोस्टों पर चेकिंग तेज कर दी है। सुरक्षा को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि इंदौर जिले के चयनित 21 चेकपोस्ट (नाकों) और चयनित 1340 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग द्वारा निगरानी रखी जायेगी। इन केंद्रों पर एसएसटी दलों की भी तैनाती की गई है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के चयनित 21 नाकों पर दलों की तैनाती रहेगी। जिले में 2677 मतदान केंद्र इंदौर जिले में 2486 मतदान केंद्र बनाए गए थे। बाद में निर्वाचन आयोग ने 191 सहायक मतदान केंद्र बनाने की अनुमति जारी कर दी। इसलिए अब 2677 मतदान केंद्रों को तैयार किया जा रहा है। जिले में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक नहीं होगी। इसमें से 1340 केंद्रों को वेबकास्टिंग के लिए चुना गया है। इंदौर जिले की शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में शुमार आठ विधानसभा क्षेत्रों के चेकपोस्ट पर वेबकास्टिंग की जाएगी। इन सभी केंद्रों पर एसएसटी दल भी नियुक्त होगा। यह चेकपोस्ट शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर बनाई गई हैं। प्रत्येक वाहन की चेकिंग के साथ ही वेबकास्टिंग होगी। विधानसभा क्षेत्रों में वेबकास्टिंग - विधानसभा क्षेत्र देपालपुर- रेलवे पटरी के पास बहरामपुर, टोल नाका मेढ़वाडा एवं सागोर रोड कालीबिल्लौद के तीन चेकपोस्ट से वेबकास्टिंग होगी। - विधानसभा क्षेत्र डा. अम्बेडकर नगर (महू)= ग्राम पंचायत पिगडंबर एबी रोड, तलाई नाका सिमरोल, भिचौली फाटा, दतोदा चौखी ढ़ाणी और जामगेट (जामखुर्द) के पांच चेकपोस्ट से

पाकिस्तान सीमा पर जा रही चुराई हुई लग्जरी कारें, शराब-हथियार सप्लाई करते हैं बदमाश

सिटी चीफ...इंदौर। भारत-पाक सीमा पर सक्रिय अपराधियों का एक गिरोह लग्जरी कारें चुरा रहा है। इन गाड़ियों का उपयोग मादक पदार्थों, शराब और हथियारों की सप्लाई में होता है। चोरों के इलाकों में बगैर हथियार और बल के जाने की मनाही है। पुलिस पर गोलियां चला देते हैं। यह जानकारी क्राइम ब्रांच की जांच में पता चली है। जूनी इंदौर थाना अंतर्गत आने वाले सर्वोदय नगर से मोबाइल व्यापारी दिनेश परवाल की लग्जरी कार (फार्च्यूनर) चोरी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर क्राइम ब्रांच का एक दल गुजरात पहुंचा तो पता चला गाड़ी जालौर (राजस्थान) के बदमाश ले गए हैं।मुखबिर ने यह भी बताया दिनेश की कार पुनासा चरणी की ढाणी में खड़ी हुई। पुलिस वहां पहुंची तो अफसरों ने कहा कि इस इलाके में इक्के-दुक्के पुलिसकर्मियों के जाने की मनाही है। बदमाश पुलिस पर भी हमला कर देते हैं। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक, प्रोबेशनर आइपीएस ने करीब 25 जवानों के साथ तड़के 5 बजे छापा मारा तो कार खेत में खड़ी मिली। अफसरों ने बताया कार पप्पू रूपाराम विश्नोई का गिरोह लाया है। उन्होंने सिर्फ कार ले जाने की इजाजत दी और कहा कि उजाला होते ही बदमाश पुलिस पर हावी हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह गांव पाक सीमा से मात्र 20 किमी दूर है। गांव के युवा देशभर में अपराध करते हैं। चोरी की गाड़ियों से हरियाणा तक डोडा चूरा, स्मैक की सप्लाई की जाती है। लौटने में कार की सीट निकालकर बदमाश हरियाणा से अवैध शराब लेकर आते हैं। चोर गाड़ी का ट्रैकर डिवाइस भी निकाल देते हैं।

डिवाइस से हैक की और डुप्लीकेट चाबी बनाई पुलिस ने साइबर एक्सपर्ट से जानकारी ली तो बताया हाईटेक कारों को सिस्टम हैक कर चुराया जा रहा है। विशेषकर स्मार्ट चाबी से लाक-अनलाक होने वाली गाड़ियां आसानी से हैक कर ली जाती है। रोलजेम डिवाइस से असली चाबी की फ्रिक्वेंसी हैक कर काउंटर नंबर चुरा कर हूबहू चाबी तैयार हो जाती है। चोरों के लिए यह डिवाइस डार्क वेब पर उपलब्ध हो जाता है।

चांदपुर में आरा मशीन शिफ्टिंग निरस्त होते ही सरकारी जमीन को लगा अतिक्रमण का ग्रहण

सिटी चीफ...इंदौर।

भोपाल। चांदपुर में करीब 30 एकड़ जमीन का चयन शहर की आरा मशीनों को शिफ्ट करने के लिए किया गया था। दो साल पहले इस जमीन पर शिफ्टिंग प्रस्ताव निरस्त होने के बाद से भूमाफिया की नजर बनी हुई है। यहां तेजी से अवैध कब्जा कर निर्माण किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं अवैध प्लाटिंग भी जमकर हो रही है। इसके बाद भी यहां किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। राजधानी की सीमा पर स्थित बिशनेखड़ी चांदपुर में अतिक्रमण का जाल फैल गया है।

छह साल पहले थे 35, अब 100 से अधिक कब्जे

चांदपुर में आरा मशीन शिफ्टिंग की प्रक्रिया जोरों पर होने के दौरान 2020 में तात्कालीन मंत्री आरिफ अकील ने चांदपुर के प्रस्तवित स्थल का निरीक्षण किया था। तब मौके पर 35 कब्जे मिले थे। कब्जे देखकर मंत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए सभी अतिक्रमण हटाने और चारदीवारी करने के निर्देश उद्योग विभाग को दिए थे। लेकिन इस जमीन पर कभी

शिफ्टिंग हुई ही नहीं। इधर 2023 में परवलिया सड़क स्थित छोटा रातीबड़ में शिफ्टिंग होना तय हुई है जबकि इस बीच चांदपुर में कब्जे 35 से बढ़कर 100 पार कर गए हैं।

भोपाल बायपास के पास स्थित है शासकीय भूमि

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बिशनखेड़ी चांदपुर भोपाल बायपास से लगी हुई है। यहां पर शासकीय भूमि का एक बड़ा हिस्सा स्थित है। पूर्व में कई बार राजस्व ने इसका उपयोग करने की योजनाएं बनाईं लेकिन वह धरातल पर नहीं उतर सकी। इस वजह से भूमाफिया की नजर करोड़ों रुपये की इस भूमि पर बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्र के रहवासी बताते हैं कि चांदपुर में अतिक्रमणकारी तेजी से कब्जा कर रहे हैं। यह भी बताया जा रहा है कि बिना किसी अनुमति के यहां प्लाटिंग की जा रही है।

आसपास के गांवों में धड़ल्ले से कट रही अवैध कालोनी

भोपाल बायपास के पास स्थित सिर्फ चांदपुर ही गांव नहीं है जहां अवैध कालोनी विकसित हो रही हों।इसके आसपास स्थित एक दर्जन से अधिक गांव में अवैध कालोनियां कट रही हैं। इनमें जगदीशपुर, ईंटखेड़ी, अचारपुरा, डोबरा, मुबारकपुर, अरवलिया, परवलिया, इमलिया, सेमरा, मुगालिया कोट, सूखीसेवनियां, दुपाड़िया, श्यामपुर, देवलखेड़ी, भैंरोपुरा, मस्तीपुरा सहित अन्य गांव शामिल हैं। जहां पर पंचायतों की मिलीभगत से जमकर अवैध प्लाटिंग की जा रही है।

किया जाना है सर्वे

जानकारी के अनुसार वर्ष 2023 से अब तक जिले में विकसित हुईं अवैध कालोनियों की सूची सभी एसडीएम, तहसीलदार को तैयार करना है। यह निर्देश कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने दिए थे। इसके लिए सर्वे शुरू किया गया था जिसमें प्राथमिक तौर पर 20 से अधिक अवैध कालोनी चिह्नित की जा चुकी हैं। जिनमें 15 हुजूर तहसील की शामिल हैं।

बिशनखेड़ी, चांदपुर में शासकीय भूमि पर शिफ्टिंग की मुझे जानकारी नहीं हैं। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे किए जा रहे हैं तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवैध कालोनियों की सूची तैयार कराई जा रही है।

आसरा में मृत पड़े गोवंशी पशु, लगे कीड़े, प्रभारी बोलीं- आराम कर रहे हैं

सिटी चीफ...इंदौर।

जहांगीराबाद स्थित आसरा पशु चिकित्सालय में बीमार पशुओं का इलाज करना तो दूर, उनके शव को भी नहीं हटाया जा रहा है। हालत यह है कि कई दिनों तक यहीं पड़े रहने के बाद मृत गोवंशों को कीड़े पड़ रहे हैं। ऐसा ही एक वीडियो तेजी से इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। जिसमें 10 से अधिक मृत गोवंशी पशु जमीन पर पड़े हैं। जब इस मामले में आसरा की प्रभारी डा. सुनीला सरन से बात की तो उनका कहना था कि वीडियो में जो जानवर दिख रहे हैं। वो मृत नहीं, बल्कि आराम कर रहे हैं। आप कभी आकर देख सकते हैं, यहां 10 से 15 जानवर इसी तरह पड़े रहते हैं। बता दें कि शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ। इसे शर्मिला जैन नाम की महिला ने बनाया है। यह वीडियो दो अप्रैल को सुबह आठ बजे बनाया गया है। इसमें करीब 10 पशु जमीन पर मरे पड़े हैं। इनमें से कुछ जानवरों के शव में कीड़े पड़ गए हैं, लेकिन नगर निगम के कर्मचारियों ने शव को हटाया नहीं था। इससे पता चलता है कि यहां मरने के बाद भी मवेशी यहीं पड़े

रहते हैं। यहां तक कि मवेशियों के शव में कीड़े पड़ जाते हैं, फिर भी उन्हें नहीं हटाया जाता।

केज में सड़ रहे मृत श्वान

इधर आसरा पशु चिकित्सालय में ही श्वानों का अस्पताल भी है। जब यहां जाकर शर्मिला जैन ने देखा तो वहां भी दो श्वान केज के अंदर मरे पड़े थे। उनका शव सड़ गया था। इससे दूर तक दुर्गंध फैल रही थी, लेकिन इन्हें भी हटाया नहीं गया था। जब पशु प्रेमी महिला ने कर्मचारियों से शव को हटाने की बात कही तो चिकित्सालय में उनका प्रवेश बंद कर दिया।

गोवंश को नहीं मिल रहा चारा-पानी वीडियो बनाने वाली महिला ने बताया कि जानवरों के लिए पर्याप्त शेड नहीं है। जिससे वो तेज धूप में बाहर ही पड़े रहते हैं। उनके लिए पर्याप्त चारा और पानी नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों का कहना था कि बीते दो दिनों से बोर नहीं चल रहा है। इसलिए जानवरों को पानी नहीं दिया गया है, वहीं नाम मात्र के लिए घास डाली जा रही है, जिसमें पशुओं का पेट भी नहीं भर रहा है।

प्रभारी ने माना, गोवंश की मृत्युदर अधिक

इस मामले में आसरा की प्रभारी डा. सुनीला का कहना है कि जानवर मरे नहीं हैं, बल्कि आराम कर रहे हैं। ये बात उन्होंने भी स्वीकार की है कि यहां जो पशु आते हैं। उनमें से कुछ तो आसरा पहुंचते ही दम तोड़ देते हैं। गर्मियों में प्रतिदिन छह से सात और वर्षा के दौरान 10-12 गोवंश मरते हैं।

मध्य प्रदेश की शेष तीन सीटों पर कांग्रेस ने घोषित किए प्रत्याशी, सभी लोकसभा क्षेत्रों में स्थिति साफ

सिटी चीफ...इंदौर।

भोपाल। लंबे मंथन के बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की शेष तीन लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने ग्वालियर से प्रवीण पाठक, खंडवा से नरेंद्र पटेल और मुरैना से सत्यपाल सिकरवार को प्रत्याशी बनाया है। वहीं इन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश की सभी 29 संसदीय सीटों पर प्रत्याशियों के लिहाज से स्थिति भी साफ हो चुकी है।तीन सीटों पर रुके थे नाम

गौरतलब है कि कांग्रेस ने इससे पूर्व तीन सूचियां जारी की थी। जिसमें एक सूची में 10, दूसरी सूची में 12 तो वहीं तीसरी सूची में तीन नाम शामिल थे, इस तरह कांग्रेस ने 25 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी थी। वहीं तीन सीटों पर लंबे समय से मंथन चल रहा था। वहीं अब कांग्रेस ने चौथी सूची जारी कर सभी सीटों पर स्थित साफ कर दी है।

28 सीटों पर ही लड़ेगी कांग्रेस

गौरतलब है कि कांग्रेस मध्य प्रदेश की 29 में से सिर्फ 28 लोकसभा सीटों पर ही चुनाव

लड़ेगी। खजुराहो सीट कांग्रेस ने समझौते के तहत समाजवादी पार्टी को दी थी। यहां सपा ने मीरा यादव को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन जिला निर्वाचन अधिकारी ने उनका नामांकन निरस्त कर दिया है।

मुरैना-श्योपुर सीट पर सत्यपाल सिकरवार प्रत्याशी

कांग्रेस ने रैना-श्योपुर सीट से सत्यपाल सिकरवार 'नीटू' को उम्मीदवार बनाया है। वे सुमावली से भाजपा विधायक रहे हैं। 2020 में हुए विधानसभा उपचुनाव में भितरघात के आरोपों के चलते भाजपा ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया था। सत्यपाल सिकरवार के बड़े भाई सतीश सिकरवार ग्वालियर से कांग्रेस विधायक और भाभी शोभा सिकरवार ग्वालियर महापौर हैं।

गर्दन, कमर दर्द में मालिश या जोड़ चटकवाने से बचें, हो सकते हैं लकवे का शिकार

सिटी चीफ...इंदौर।

अगर किसी को पीठ और गर्दन में दर्द हो तो सतर्क हो जाएं। झोलाछाप डाक्टरों और नाई के पास जाकर मालिश न कराएं। नहीं तो आप लकवे जैसी गंभीर व्याधि के भी शिकार हो सकते हैं। ऐसा ही एक मामला शहर में आया है। लालघाटी क्षेत्र निवासी 28 वर्ष के बैंकर रोहित लाल दर्द होने पर नाई और एक झोलाछाप डाक्टर के पास गए, लेकिन कुछ दिन बाद ही वह लकवे का शिकार हो गए। रोहित के अनुसार वह लगातार काम करने से पीठ और गर्दन दर्द से पीड़ित थे। दर्द से परेशान रोहित एक दिन पास के एक क्लीनिक पर गए। वहां डाक्टर ने कहा कि वे गर्दन का दर्द तो एक बार में ही ठीक कर देंगे। उसने रोहित की गर्दन को जोर झटका दिया। गर्दन चटकवाना रोहित को इतना भारी पड़ा कि वह दर्द के मारे कराहने लगे। उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी और शरीर के ऊपरी हिस्से ने काम करना बंद कर दिया। उन्होंने विशेषज्ञ डाक्टर को दिखाया तो पता चला कि गर्दन की दोनों नसों में लकवा लगा है। वे सांस भी नहीं ले पा रहे थे, लेटते ही उनकी सांस रुकने लगती थी। करीब आठ महीने तक रोहित नान इनवेसिव वेंटिलेशन पर रहे। हालांकि अब भी लंबे समय तक फिजियोथैरेपी की जरूरत होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों में मालिश कराने का चलन बहुत ज्यादा है। कुछ लोग हर हफ्ते ऐसा करवाते हैं। गर्दन चटकवाना खतरनाक हो सकता है। मालिश और चटकवाने पर लगा लकवा

दयानंद नगर निवासी मनोज श्रीवास्तव को दिल की परेशानी थी। लगातार इलाज के बाद भी उनकी सांस की बीमारी ठीक नहीं हो रही थी। डाक्टरों को लगा कि मांसपेशियां कमजोर हो गई हैं, इसलिए उन्हें न्यूरो विशेषज्ञ के पास भेजा गया, लेकिन इलाज में भी कुछ नहीं पाया गया। फेफड़ों के डाक्टर ने भी इलाज किया। मनोज जब लेटकर सांस ले रहे थे तो उनका पेट काफी अंदर जा रहा था। पेट और छाती के बीच झिल्ली कमजोर हो गई थी। जब उनके डेली रूटीन का पूछा गया तो पता चला कि वह हर दो या तीन सप्ताह में नाई के पास जाकर मालिश और गर्दन चटकवाते थे। टेस्ट में पता चला कि गर्दन की दोनों नसों में लकवा मार चुका है।

शहर को साफ रखने वार्ड दरोगा और सुपरवाइजरों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

सिटी चीफ...इंदौर।

शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर वार्ड दरोगाओं और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। निगमायुक्त हरेंद्र नारायण के निर्देश पर यह कवायद की जा रही है। चार सत्र में यह प्रशिक्षण आईएसबीटी परिसर में स्थित नगर निगम के मुख्यालय में इसी महीने होगा। अलग-अलग तारीखों में सभी को उपस्थित रहने को कहा गया है। वहीं प्रशिक्षण की जिम्मेदारी हेल्थ आफिसर को दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि 21 जोनों के 85 वार्डों के वार्ड दरोगा और डोर-टू-डोर सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने निगम के चार स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने-अपने जोनों के वार्ड दरोगा एवं डोर-टू-डोर सुपरवाइजरों को अलग-अलग प्रशिक्षण देने के लिए 8, 12, 16 और 18 अप्रैल तारीख निर्धारित की है। यह प्रशिक्षण आईएसबीटी स्थित कार्यालय में शाम के समय होगा। यह है प्रशिक्षण का कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग ने प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी राकेश शर्मा के अंडर में आने वाले जोन 14, 15, 16, 18, 19

के दरोगा और डोर-टू-डोर सुपरवाइजर को 8 अप्रैल को बुलाया है। वहीं बृजेन्द्र गुप्ता के जोन 9, 11, 12, 13, 17 के दरोगा व डोर-टू-डोर सुपरवाइजर को 12 अप्रैल, हेल्थ ऑफिसर राजीव सक्सेना के अंडर वाले जोन 5, 6, 7, 8, 10, 21 के दरोगा व डोर-टू-डोर सुपरवाइजर को 16 अप्रैल और रविकांत औदित्य के जोन 1, 2, 3, 4, 20 के दरोगा व डोर-टू-डोर सुपरवाइजर को 18 अप्रैल को आईएसबीटी स्थित कार्यालय में शाम चार बजे बुलाया गया है।

नाबालिग का कराया था गर्भपात, स्वास्थ्य विभाग ने होप अस्पताल को किया सील

सिटी चीफ...इंदौर।

अयोध्या बायपास रोड स्थित होप अस्पताल के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने इसे सील कर दिया है। अस्पताल में आगामी आदेश तक कोई भी चिकित्सकीय गतिविधियां संचालित नहीं की जा सकेंगी। दरअसल, इस अस्पताल में एक नाबालिग का गर्भपात कराए जाने का मामला सामने आया था, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए सीएमएचओ द्वारा यह कार्रवाई की गई। अस्पताल को एमटीपी एक्ट के तहत अनुज्ञा न होने के कारण पुलिस को सूचना देकर विधिसम्मत कार्रवाई के लिए लिखा गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के दल द्वारा

शुक्रवार को होप अस्पताल का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान अस्पताल बंद मिला। अभिलेखों के परीक्षण में पाया गया कि अस्पताल को एमटीपी एक्ट की अनुमति नहीं थी। निरीक्षण दल द्वारा पंचनामा बनाकर अस्पताल पर नोटिस चस्पा किया है। अस्पताल के विरुद्ध मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 एवं अधिनियम 1977 एवं एमटीपी एक्ट 1971 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

इनका कहना है

समय-समय पर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, पैथोलाजी एवं रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर का निरीक्षण करवाया जाता है। इसी क्रम में विगत दिनों अल्फा डायनेस्टिक सेंटर को बंद किया गया था। स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा नर्सिंग होम एवं क्लिनिक एस्टेब्लिशमेंट एक्ट एवं अन्य संबंधित अनुमतियों का उल्लंघन पाए जाने पर विधि सम्मत कार्रवाई की

चेहरे पर पत्थर गिरने से आठ वर्ष के बालक की दर्दनाक मौत

सिटी चीफ...इंदौर।

पुराने शहर के मंगलवारा थाना इलाके में स्थित आजाद मार्केट में गन्ने की चरखी के पास सो रहे आठ साल के बालक के चेहरे पर चरखी के पास रखा बड़ा पत्थर गिर गया। गंभीर चोट लगने के कारण बालक की मौत हो गई। पुलिस ने चरखी संचालक के विरुद्ध जानलेवा लापरवाही बरतने का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

यह है घटनाक्रम

मंगलवारा थाना प्रभारी अजय सोनी ने बताया कि मंगलवारा थाने से आजाद मार्केट की तरफ जाने वाली सड़क के बीच में बने डिवाइडर पर दोनों तरफ दुकानें लगी हुई हैं। यहीं पर सुरेंद्र बंशकार परिवार के साथ बांस की टोकनी बनाकर बेचने का काम करता था। उसकी दुकान के दूसरी तरफ एक गन्ने की चरखी लगी हुई है। चरखी पर मशीन में लगाने के पहले गन्ना कूटने के लिए एक

बड़ा पत्थर रखा हुआ था। गुरुवार रात करीब 10:30 बजे सुरेंद्र का आठ वर्ष का बेटा राजवंश उर्फ राजा दुकान में सो रहा था। दूसरी तरफ चरखी पर कुछ लड़के गन्ना छीलने का काम कर रहे थे। इस दौरान बड़ा पत्थर डिवाइडर से टकराने के बाद वह राजा के चेहरे पर जा गिरा। इससे उसके चेहरे पर गंभीर चोट आई और वह बेसुध हो गया। आसपास के लोग उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे। वहां कुछ देर तक चले उपचार के बाद राजा की मौत हो गई। पुलिस ने चरखी संचालक के खिलाफ धारा-304 (ए) के तहत केस दर्ज कर लिया है।

चुनाव प्रशिक्षण में लगे जिले के 2500 शिक्षक स्कूलों में शिक्षण कार्य हो रहा प्रभावित

सिटी चीफ...इंदौर।

लोकसभा चुनाव को लेकर शासकीय कर्मचारियों के प्रशिक्षण का कार्य जारी है। जिले के लगभग 2500 शासकीय शिक्षकों को चुनाव ड्यूटी में लगाया गया है। इस कारण सरकारी स्कूल सहित केंद्रीय विद्यालयों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। गौरतलब है कि जिले में एक से छह अप्रैल तक चुनाव प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। शिक्षकों की गैरमौजूदगी के कारण कई कक्षाएं बंद कर दी हैं।

शिक्षक हो रहे परेशान

चुनाव प्रशिक्षण में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 के शिक्षकों के जाने के कारण शुक्रवार को छुट्टी कर दी गई, वहीं केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में शनिवार को प्राथमिक विभाग

का अवकाश रखा गया है। अलग-अलग आदेश ने शिक्षकों की नींद उड़ा रखी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने 10वीं व 12वीं के मूल्यांकन में लगे मूल्यांकनकर्ताओं की ड्यूटी चुनाव में कार्य नहीं लगाने के आदेश निकाले हैं, जबकि जिला स्तर पर कलेक्टरों द्वारा मूल्यांकन में लगे शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है। चुनाव ड्यूटी में नहीं पहुंचने पर शिक्षकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, इससे शिक्षक परेशान हो रहे हैं। दरअसल मूल्यांकन कार्य को लेकर माशिमं सचिव केडी त्रिपाठी ने बीती 11 मार्च को सभी जिला कलेक्टरों को पत्र लिखा कि मप्र बोर्ड परीक्षा में करीब 18 लाख परीक्षार्थियों की एक करोड़ 25 लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य जिला स्तर पर मूल्यांकन केंद्रों पर 22 फरवरी से शुरू हो चुका है। परीक्षा व मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों को चुनाव ड्यूटी से मुक्त रखा जाए, ताकि समय पर मूल्यांकन कार्य संपन्न हो सके। इसके बाद भी परीक्षा कार्य में लगे शिक्षकों का चुनाव ड्यूटी में लगाना जारी रहा। साथ ही पांचवीं व आठवीं और नौवीं व 11वीं का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। इस कारण भी स्कूलों में शिक्षक नहीं होने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

सम्पादकीय

डीप फेक की चुनौतियां और संवैधानिक संस्कारों के बीच गरिमा व निजता के सवाल

डिजिटल क्रांति और सोशल मीडिया के दौर में साइबर क्राइम तेजी से बढ़ा है। बीते एक दशक में फेक वीडियो, ऑडियो और इमेज के जरिए व्यक्ति की स्वतंत्रता, निजता, गरिमा संकट में आई है। इधर एक साल के अंदर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने डीफ फेक तकनीक के माध्यम से इस पर और भी बड़ा खतरा पैदा किया है। डीपफेक जनरेटिव एआई से जुड़ी तकनीक है जिसका सबसे ज्यादा प्रयोग किया जा रहा है। इस समय कई तरह के टूल्स वीडियो, इमेज और आवाज बदलकर व्यक्ति की गरिमा और निजता को चोट पहुंचा रहे हैं। डीपफेक तकनीक ने समाज में एक विखंडन का खतरा भी पैदा किया है। यह एक ऐसी क्रांतिकारी तकनीक है जो वीडियो और ऑडियो में हेरफेर कर किसी भी व्यक्ति की वास्तविकता को ना केवल विकृत कर सकती है बल्कि उसकी निजता को खंडित कर उसकी गरिमा को चोट पहुंचा सकती है। आज भारत में डीपफेक मनोरंजन और व्यंग्य के लिए उपयोगी साधन के रूप में है और इसका सबसे ज्यादा प्रयोग डिजिटल मीडिया में किया जा रहा है। अब इसके गलत इस्तेमाल की खबरें सामने आ रही हैं। बीते कुछ माह पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के आपत्तिजनक डीप फेक वीडियो के सामने आने के बाद ना केवल फिल्म इंडस्ट्री बल्कि भारत सरकार भी सकते में थी। यह एक ऐसा वीडियो था जिसमें अभिनेत्री को छोटे वस्त्र में दिखाकर कर उसकी निजता, गरिमा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया था। यह एक तरह से मानसिक आघात की तरह था। समाज में अप्रत्यक्ष हिंसा को जन्म देने वाला था। डीपफेक तकनीक से हुई इस घटना ने साइबर अपराधों में एआई तकनीक के दुरुपयोग व गंभीर खतरों को लेकर भारत सरकार के कान खड़े कर दिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (तक्ष्क्ष्) नई दिल्ली में हुए सम्मेलन में डीपफेक को लेकर स्पष्ट शब्दों में कहा- डीपफेक देश के सामने खड़े बड़े खतरों में से एक है। एआई जनरेटिव वीडियो और तस्वीरों में बढ़ोत्तरी के बीच लोगों को नई तकनीक से सावधान रहने की जरूरत है। हालांकि इस घटना को लेकर आईटी मिनिस्ट्री ने चिंता जाहिर की लेकिन इससे जुड़े कानून को लेकर वह मौजूदा आईटी अधिनियम 2000 को ही पर्याप्त मान बैठी व इस तरह के अपराधों से निपटने के लिए गाइडलाइंस भी जारी की। इस पूरे घटनाक्रम के बीच डीपफेक तकनीक ने यह बता दिया कि भविष्य जनरेटिव एआई के बीच कैसा होने जा रहा है। वर्तमान में एआई तकनीक में लगातार सामने आ रहे एडवांस टूल्स हतप्रभ करने को तैयार हैं। डेली, सोरा जैसे एआई टूल्स तो गंभीर सामाजिक और नैतिक चुनौतियां पैदा करने के लिए पर्याप्त हैं। डीपफेक तकनीक का गलत इस्तेमाल भारत में नागरिकों की संवैधानिक नैतिकता बोध पर सवाल खड़े करता है। किसी भी व्यक्ति की छवि धूमिल कर, उसकी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने की मंशा इस बात की ओर इशारा है कि भारत में रह रहे लोग अपने संवैधानिक संस्कारों और मूल्यों के प्रति जागरूक नहीं हैं। नागरिक समाज देश में हर व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता और उसकी निजता के प्रति सम्मान करने की नैतिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक नहीं है। नागरिकों के मन में आज भी उन संवैधानिक मूल्यों, संस्कारों और बोध का अभाव है जिसमें वह एक दूसरे के प्रति बुंधता, समानता, न्याय और उसकी स्वतंत्रता का सम्मान कर सकें। आज भारत में सोशल मीडिया, एआई और उससे जुड़ी तकनीकों से लगातार संवैधानिक मूल्यों का हनन हो रहा है। बिना अनुमति के किसी की तस्वीर लेना, सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालना बंधुता, स्वतंत्रता, गरिमा जैसे मूल्यों का हनन है। इधर एआई के माध्यम से किसी की तस्वीरे में हेरफेर कर उसे मनोरंजन के लिए सोशल मीडिया पर शेयर कर देना, ऑडियो के जरिए वित्तीय धोखाधड़ी करना यह सब उसी आपराधिक मानसिकता का हिस्सा जिसमें संवैधानिक मूल्य नहीं है और संवैधानिक बुद्धिमता का अभाव है। दरअसल, भारतीय संविधान में नागरिकों को कई तरह के मौलिक अधिकार दिए गए हैं उनमें से किसी भी व्यक्ति को स्वतंत्रता, न्याय, बंधुता, गरिमा और अपनी निजता के साथ जीने का अधिकार भी प्रदान किया गया है। महिलाओं और बच्चों को लेकर अश्लील व फूहड़ वीडियो तक बनाए जा रहे हैं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा, गरिमा व निजता को नुकसान पहुंच रहा है। बीते डेढ़ दशक में अश्लील वीडियो, निजी क्षणों की रिकॉर्डिंग और ब्लैक मेलिंग यह सारे अपराध तेजी से बढ़े हैं। वर्ष 2019 के आसपास ही एम्सटर्डम स्थित साइबर सिक्योरिटी कंपनी डीप ट्रेस में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में कुल 14678 वीडियो ऑनलाइन थे जिसमें से 95 फीसद सामग्री अश्लील थी। यह वीडियो ब्लैकमेल करने और फिरौती मांगने के लिए बनाए गए थे। डीपफेक तकनीक केवल व्यक्ति की स्वतंत्रता, निजता, गरिमा को ही ठेस नहीं पहुंचाती बल्कि इसके इस्तेमाल से लोकतांत्रिक मूल्यों को भी खतरा पहुंच सकता है। डीपफेक का इस्तेमाल फिरौती मांगने, छवि को खराब करने चुनावों में हेरफेर, धांधली करने, राजनीतिक उम्मीदवारों को बदनाम करने, उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने, उनकी निजता, गरिमा को चोट पहुंचाने में किया जा सकता है। डीपफेक तकनीक सामाजिक अशांति भड़काने में भी भूमिका निभा सकता है। एक तरह से डीपफेक लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने, भावनात्मक रूप से परेशान करने सामाजिक तनाव बढ़ाने और लोकतंत्र को कमजोर करने के हथियार के रूप में हमारे सामने है। हमारे संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की इच्छा थी कि संस्कृति, समाज, धर्म और जातिगत विविधता के विषम और विसंगतिपूर्ण भारतीय समाज में संवैधानिक साक्षरता फैले। देश का नागरिकता बोध संवैधानिक बुद्धिमता से संपन्न हो। जनता संविधान को लेकर जागरूक हो। राष्ट्र में संविधान लागू केवल कागजों में ही लागू ना हो बल्कि संवैधानिक मूल्य व्यवहारिक रूप से भारतीय समाज की चेतना और संस्कार का हिस्सा बनें। इस लिहाज से देखा जाए तो एआई और खासतौर पर जनरेटिव एआई के सारे टूल्स संवैधानिक मूल्यों के लिए भविष्य का आसन्न खतरा है। रोजगार का संकट अलग खड़ा होने जा रहा है, नैतिकता और मूल्य वैसे ही डिजिटल मीडिया ने धूमिल कर रखे हैं इस लिहाज से समाज और राष्ट्र एक गहरे सामाजिक नैतिक संकट की ओर बढ़ रहा है। एआई के जरिए डीप फेक क्राइम भी बढ़ा है। डीप फेक के माध्यम से छवियों, वीडियो और पॉर्नोग्राफी के जरिए इस तरह से किया जाता है कि दुनिया के प्रभावशाली और प्रभुत्व संपन्न व्यक्ति, नेता वह सब बातें बोलते दिखें जिसे उन्होंने कभी नहीं कहा। यह एक तरह से मशीन लर्निंग और एआई का सबसे प्रभावशाली तरीका है जिसने लोकतांत्रिक समाजों के भीतर ना केवल दुष्प्रचार और गलतफहमियों को पैदा किया जाता है बल्कि नागरिक समाज की निजता, आस्था और विश्वासों को भी चोट पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। एक तरह से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुष्प्रभावों के बीच डीप फेक जिस रूप में हमारे सामने है वह आने वाले समय में वैश्विक प्रजातांत्रिक समाजों के लिए एक चुनौती बनकर सामने खड़ा है। 2022 में बराक ओबामा के नाम से एक वीडियो वायरल हुआ जिसने अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में सनसनी मचा दी। नकली वीडियो जो एकदम वास्तविक लगता था उसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति यह कहते हुए नजर आए कि 2020 के चुनाव में उन्होंने धोखाधड़ी की थी। ऐसे ही हाल ही में 2023 में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गिरफ्तारी की ऐसी फोटों दुनियाभर में वायरल हुईं जिसे देखते ही पूरी दुनिया में तहलका मच गया। इसे मिड जर्नी नाम के एआई टूल्स से बनाया गया था। ऐसे ही इंस्टा पर एआई द्वारा बनाई गई रील्स के उदाहरण हैं। इन रील्स में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर चल रही रील थी जिसमें उन्हें अपशब्द बोलते हुए दिखाया गया था। ऐसे ही अभी हाल ही में भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वे यह कहते नजर आए कि वे राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने जा रहे हैं। यह वीडियो भी इतना वास्तविक था कि इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता था कि एआई का एडवांस और अपडेटेड स्वरूप सामने होगा। एआई से ना केवल व्यक्ति की निजता को भंग किए जाने के खतरे हैं बल्कि उसकी गरिमा को भी ठेस पहुंचाने वाला है। यदि हमारे समाज में संवैधानिक मूल्यों, संस्कारों और संवैधानिक चेतना को लेकर जागरूकता रहती तो इस तरह के आपराधिक कार्यों पर रोक लग सकती थी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक ओर संवैधानिक मूल्यों और बुद्धिमता का अभाव है तो वहीं कृत्रिम बुद्धिमता के माध्यम से एआई के दुरुपयोग के भी खतरे हैं जो हमें दिखाई देने लगे हैं। भारत जैसे देश में जहां पहले से ही साइबर क्राइम ज्यादा है वहां एआई संवैधानिक मूल्यों, चेतना के अभाव में किस रूप में काम आएगा? इधर, एआई के खतरे का यह पहलू वैश्विक है और यही चुनौती भारत के सामने भी है। घोटालों से लेकर ठगी और झांसे तक, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, वीडियो के जरिए निजता और गरिमा को ठोस पहुंचाना, चुनाव में हेर-फेर करना, उम्मीदवारों की ओर से आपसी रंजिश के तरह जनता को गुमराह करना, सांप्रदायिक सद्भाव और वैमनस्य, सामाजिक विद्रुपताएं, विभाजन, आर्थिक शोषण, अन्याय, दुष्प्रचार और प्रोपेगैंडा के माध्यम से सांस्कृतिक, सामाजिक हमले करना जैसी घटनाएं एआई के बड़े खतरे हैं। ऐसे ही डीप फेक के माध्यम से पहचान की चोरी, गरिमा और छवि को ठेस पहुंचाना, पहचान-पत्रों के माध्यम से कई तरह के अपराधों को अंजाम देना, इसमें वित्तीय धोखाधड़ी, फ्रॉड, जैसे कई अपराध हैं वह भी एआई आसान ही कर देगा। वर्तमान में तो डिजिटल टेक्नॉलॉजी और डिजिटल मीडिया में इसने ना केवल आकार ग्रहण करना शुरू कर दिया है बल्कि यह यह एआई के कई तरह के टूल्स के जरिए और संकट पैदा करेंगे। सवाल यह है कि भारत में जहां संवैधानिकता नैतिकता बोध, संस्कार और संवैधानिक मूल्यों के अभाव में एआई किस स्वरूप में सामने आएगा?

मौसमः तपते द्वीप में बदलते शहर..., शहरों की तरफ बढ़ते पलायन को रोकना ही होगा; यही दूरगामी उपाय

अप्रैल शुरू होते ही एक तरफ मौसम विभाग ने चेताया कि गर्मी और लू का असर झेलने के लिए तैयार हो जाएं, तो दूसरी तरफ केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग ने भी राज्यों को बता दिया है कि बढ़ती गर्मी पर निगाह रखें और लोगों को इससे सतर्क रहने के लिए जागरूक करें। गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों में लू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, खासकर यहां शहरों में तपन का एहसास समय से पहले और सीमा से अधिक है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो कई छोटी-मंझोली नदियों का घर है और कभी घने जंगलों के लिए जाना जाता था, बुंदेलखंड की तरह तीखी गर्मी की चपेट में है। हरित प्रदेश कहलाने वाला यह इलाका आने वाले दशकों में बुंदेलखंड की तरह सूखे-पलायन-निर्वनीकरण का शिकार हो सकता है। जिन क्षेत्रों में शहरीकरण का विस्तार तेजी से हुआ, वहां लू और गर्मी का विस्तार अधिक हुआ। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, देश के अलग-अलग हिस्सों में अब हर साल लगभग 272 दिनों को लू ङ्क दिन के रूप में दर्ज किया जा रहा है। तकनीकी भाषा में इसे अर्बन हीट आइलैंड अर्थात शहरी ताप द्वीप कहा जा सकता है। जब किसी शहर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के मुकाबले तापमान अधिक बढ़ जाता है, तो उसे अर्बन हीट आइलैंड कहते हैं। ऊंची इमारतें, छायादार पेड़ों की कमी, जल-निधियों जैसे तालाब-जोहड़ और नदी के दायरे का घटना-ऐसे कारण हैं, जो शहर में गर्मी की मार को जानलेवा बना देते हैं। इसके कुप्रभावों को चौगुना करने में कंकरीट से बनी ऊंची इमारतें, एयरकंडीशनर से निकलने वाली गर्मी, वाहनों से उत्सर्जित ऊष्मा और यातायात थमने से उपजी गैस भी शहरों को तपा रही हैं। जलवायु पारदर्शिता रिपोर्ट-2022 के अनुसार, वर्ष 2021 में भीषण गर्मी के चलते भारत में सेवा, विनिर्माण, खेती और निर्माण क्षेत्रों में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। गर्मी बढ़ने से 167 अरब घंटे संभावित श्रम का नुकसान हुआ, जो वर्ष 1999 के मुकाबले 39 प्रतिशत अधिक है। इस रिपोर्ट के अनुसार, तापमान में डेढ़ फीसदी इजाफा होने पर बाढ़ से हर साल होने वाला नुकसान 49 प्रतिशत बढ़ सकता है। गर्मी बढ़ेगी, तो समुद्र का तापमान भी बढ़ेगा और इससे उपजने वाले चक्रवात से होने वाली तबाही में भी इजाफा होगा। लेंसेट काउंट डाउन की रिपोर्ट कहती है कि भारत में वर्ष 2000-2004 और 2017-21 के बीच भीषण गर्मी से होने वाली मौतों में 55 प्रतिशत का उछाल आया है। बढ़ते तापमान से स्वास्थ्य प्रणाली पर हानिकारक असर हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने भारत में एक लाख लोगों के बीच सर्वे कर एक रिपोर्ट में बताया है कि गर्मी/लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच फीसदी अधिक आर्थिक नुकसान होगा। आर्थिक रूप से संपन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, जबकि गरीब ऐसा नहीं कर पाते। शहरों का बढ़ता तापमान न केवल पर्यावरणीय संकट बढ़ाएगा, बल्कि सामाजिक-आर्थिक त्रासदी और असमानता का कारक भी बनेगा। गर्मी सिर्फ स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि इससे इंसान की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। गर्मी बढ़ने पर पानी, बिजली की मांग के साथ उत्पादन लागत भी बढ़ती है। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के शीर्ष वैज्ञानिकों के एक अध्ययन के मुताबिक, बढ़ती आबादी और गर्मी के कारण देश के चार बड़े शहर-दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि बाहरी भीड़ को नहीं रोका गया, तो तापमान तेजी से बढ़ेगा, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह साबित होगा। ऐसे में जरूरी है कि शहरों में रहने वाले श्रमजीवियों को लू-गर्मी के कुप्रभावों से बचाने के लिए अनुकूल परिवेश और कार्य समय निर्धारित किया जाए। मजबूरी में खुले में काम करने वाले लोगों के लिए छांव, साफ पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसके लिए सरकार एवं समाज, दोनों को साथ आना होगा। उमस भरी गर्मी और लू से राहत के लिए अधिक छायादार पेड़ों को लगाना जरूरी है। शहर के बीच से बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ आदि यदि निर्मल और अविरल रहेंगे, तो ये गर्मी सोखने में सक्षम होंगे। कार्यालयों के समय में बदलाव, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, बहुमंजिला भवनों को पर्यावरण अनुकूल बनाना, ऊर्जा संचयन सहित कुछ ऐसे उपाय हैं, जो कम लागत में शहरों को भट्ठी बनने से बचा सकते हैं। दूरगामी उपाय के तहत शहरों की तरफ बढ़ रहे पलायन को रोकना ही होगा।

बांग्लादेश की सियासतः वे अपने ही देश को अस्थिर कर रहे हैं..., भारतीय उत्पादों का बहिष्कार नहीं होगा कामयाब

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली विपक्षी इस्लामवादी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बहिष्कार के बावजूद जनवरी, 2024 के चुनाव में जीत हासिल करके शेख हसीना पांचवीं बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। छिटपुट हिंसा के बीच व्यापक रूप से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से 40 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। शेख हसीना पर पश्चिमी देशों का दबाव था। लेकिन भारत ने निजी तौर पर इस हस्तक्षेप का विरोध किया। शेख हसीना की स्वायत्त विदेश नीति, भारत से निकटता और बांग्लादेश की शानदार सफलता की वजह से पश्चिमी देश उन्हें सत्ता से बाहर करना चाहते थे। इसलिए वे भारत और बांग्लादेश के बीच दरार पैदा करने के लिए 'इंडिया आउट' अभियान चला रहे हैं। यह निराश इस्लामवादियों को सक्रिय होने का मौका देता है। अर्थव्यवस्था को धर्म के साथ मिलाने का नतीजा हमेशा विनाशकारी होता है। इसे पाकिस्तान, सूडान और अफगानिस्तान, आदि के हालात से समझा जा सकता है। बांग्लादेश के इस्लामवादी समूहों का मुख्य लक्ष्य बांग्लादेश में सरिया कानून से शासन चलाना है। जहां आर्थिक मंदी हसीना की मुख्य चुनौती है, वहीं देश का बढ़ता इस्लामीकरण चिंता की बात है। पहले की तुलना में अब ज्यादा बांग्लादेशी महिलाएं बुर्का और हिजाब में दिखती हैं। शासन परिवर्तन आंदोलन का नेतृत्व ओपन सोसाइटी फाउंडेशन कर रहा है, जिसकी स्थापना खतरनाक जॉर्ज सोरोस ने की है, जो न्याय, लोकतांत्रिक शासन और मानवाधिकारों (और दुनिया को नियंत्रित करने के अमेरिकी हित) के लिए काम करने वाले तथाकथित स्वतंत्र समूहों का सबसे बड़ा निजी वित्तपोषक है। पहला बांग्लादेशी इस्लामी उग्रवादी गुट 1989 में उभरा, जब कई दर्जन गुटों का एक नेटवर्क स्थापित और विस्तारित हुआ। भारत मुक्ति संग्राम के समय से ही बांग्लादेश की बाहरी चुनौतियों से निपटा है। भारत ने अवामी लीग का समर्थन किया, जबकि पाकिस्तान, चीन और अमेरिका उसके खिलाफ खड़े थे। ये सभी शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दक्षिण एशिया में सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली देश के रूप में भारत कमजोरों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों का सामना करता है, लेकिन हमारे सभी छोटे पड़ोसियों द्वारा आरोप लगाए जाते हैं। जाहिर है, सही संतुलन बनाना आसान नहीं है, लेकिन हम संवेदनशील प्रयास कर रहे हैं। क्या %बांग्लादेश के घरेलू मामलों में निरंतर हस्तक्षेप% का विरोध करने के लिए भारतीय उत्पादों के बहिष्कार का इंडिया आउट अभियान, जो ज्यादातर सोशल मीडिया पर चल रहा है, काम करेगा। इसका जवाब है- नहीं, क्योंकि इसका उद्देश्य भारत को नुकसान पहुंचाना उतना नहीं है, जितना ढाका की सरकार को अस्थिर करना। बांग्लादेश भारत से आयात पर निर्भर है, जो कुल मिलाकर 16 अरब डॉलर से ज्यादा का है। इसमें खाद्य, ईंधन, उर्वरक, औद्योगिक कच्चा माल जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं, जबकि उसके कॉरपोरेट सेक्टर सॉफ्टवेयर और सेवा-आधारित कुशल भारतीय श्रमिकों और विशेषज्ञों को नियुक्त करते हैं। भारत ने बांग्लादेश को विकास सहायता के मद में 10 अरब डॉलर से ज्यादा रकम दी है। भारत अगर बांग्लादेश से बाहर निकल जाएगा, तो क्या बांग्लादेश चीन से आयात करेगा? %इंडिया आउट% अभियान से जुड़े लाखों बीएनपी समर्थकों का झुकाव जिहादवाद और हिंदू विरोधी भावनाओं की ओर है, जो इस क्षेत्र के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा कर सकता है। बांग्लादेशी मदरसे उग्रवाद के लिए खाद-पानी मुहैया कराते रहते हैं। हिंदुओं पर छिटपुट हमले और उनकी संपत्तियों को लूटने की घटनाएं होती रहती हैं। इन सबके बावजूद बांग्लादेश भारत के लिए और भारत बांग्लादेश के लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि इसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। नदी जल का बंटवारा, जलवायु परिवर्तन से लड़ना, अधिक आयात, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, बेहतर सीमा प्रबंधन-ये प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं। कई दक्षिण एशियाई देश यह सबक ले रहे हैं कि चीन वास्तव में उन्हें अपने बराबर नहीं मानता। बांग्लादेश का लक्ष्य अगले 20 वर्षों में अपने 16.7 करोड़ लोगों के लिए उच्च-मध्यम आय का दर्जा प्राप्त करना है, जो भारत के समर्थन के बिना संभव नहीं है। कुछ ही महीने पहले ढाका ने अपनी भुगतान संतुलन की लड़खड़ाती स्थिति को देखते हुए आईएमएफ से ऋण मांगा था। बांग्लादेश का कर-जीडीपी अनुपात दुनिया में सबसे कम है। ईंधन की कीमतों में रातों-रात 50 फीसदी की वृद्धि हुई और लोग सड़कों पर उतर आए। बांग्लादेश को भारत से पैसा, निवेश, तकनीक और खाद्यान्न चाहिए। जबकि भारत चाहता है कि वहां भारत-विरोधी गुटों को पनाह नहीं मिले, गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा हो और चीन को इतना तवज्जो न दिया जाए कि हमारे सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचे। कोई भी अर्थव्यवस्था तब संकट में होती है, जब उसे बढ़ती ऊर्जा लागत, बढ़ती मुद्रास्फीति, घटते विदेशी मुद्रा भंडार, प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय आर्थिक माहौल और सिकुड़ते निर्यात बाजारों का सामना करना पड़ता है। बांग्लादेश को इन सबके साथ-साथ और भी बहुत कुछ झेलना पड़ा है। वस्त्र उद्योग बांग्लादेश का गौरव है, लेकिन कारखाने पहले से ही अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के ऑर्डर में मंदी, तैयार माल की कम कीमतों, वैश्विक स्तर पर कच्चे माल की ऊंची कीमतों और लगातार बिजली कटौती के कारण जूझ रहे हैं। महंगी प्राकृतिक गैस की कमी के कारण 2026 तक बिजली कटौती का खतरा मंडरा रहा है, जिससे निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 17 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, क्योंकि इसका केंद्रीय बैंक मुद्रा का बचाव करने में नाकाम रहा है, जो अब डॉलर के मुकाबले लगभग 110 टका है। मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार से लगभग तीन महीने के आयात बिल का भुगतान किया जा सकता है। ऐसे में, कौन उनकी मदद कर सकता है? जाहिर है, पहले भी भारत ने ही 4.5 अरब डॉलर का अनुदान एवं ऋण देकर उसकी मदद की थी।

मुंडों की माला पहनकर भस्मारती में सजे बाबा महाकाल, हजारों भक्तों ने किए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र कृष्ण पक्ष की द्वादशी पर शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि द्वादशी की भस्मआरती में बाबा महाकाल का एक अलग ही स्वरूप में श्रृंगार किया गया। बाबा महाकाल को मुंडों की माला पहनाई गई, मस्तक पर सूर्य, चंद्र और त्रिपुंड लगाकर श्रृंगारित किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

खजुराहो से इंडिया गठबंधन की एकमात्र उम्मीदवार का नामांकन रद्द, नहीं लड़ सकेंगी चुनाव?

भोपाल - इंडिया गठबंधन को मप्र में करारा झटका लगा है। कांग्रेस ने प्रदेश की 29 में से एक खजुराहो सीट समाजवादी पार्टी के लिए छोड़ी थी। यहां से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपनारायण यादव का नामांकन निरस्त हो गया है। कलेक्टर ने इसकी दो वजह बताई है। नामांकन फॉर्म पर प्रत्याशी के दो जगह हस्ताक्षर होते हैं, जिसमें से एक जगह मीरा यादव ने हस्ताक्षर नहीं किए थे। मतदाता पहचान पत्र की सत्यापित प्रति की जगह पुरानी प्रति दे दी गई थी। मीरा यादव के पति दीपनारायण यादव ने कहा है कि हम इस फैसले को हाईकोर्ट में और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। चुनाव आयोग के मुख्य आयुक्त के पास भी जाएंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटनाक्रम को लोकतंत्र की सरेआम हत्या बताया है। मध्य प्रदेश की खजुराहो सीट से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मौजूदा सांसद और उम्मीदवार हैं। उनकी राह अब आसान हो गई है। एक तरह से इंडिया गठबंधन ने उन्हें वॉकओवर ही दे दिया है। नामांकन निरस्त होने के बाद राजनीतिक उठापटक भी तेज हो गई है। कांग्रेस और सपा का उम्मीदवार न होने की स्थिति में दोनों ही पार्टियां मिलकर किसी एक उम्मीदवार को इंडिया गठबंधन का समर्थन दे सकती है। लेकिन उसे कांग्रेस या सपा का चुनाव चिह्न नहीं मिल सकेगा। खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर और पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा कि नामांकन फॉर्म को दो आधार पर निरस्त किया गया है। मीरा यादव ने अपने नामांकन फॉर्म के साथ सत्यापित मतदाता सूची संलग्न नहीं की थी। फॉर्म में दो जगह हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए हैं।

अखिलेश बोले- यह हार चुकी भाजपा की हताशा है अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि खजुराहो सीट से इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन निरस्त करना सरेआम लोकतंत्र की हत्या है। कहा जा रहा है कि हस्ताक्षर नहीं थे तो फिर देखनेवाले अधिकारी ने फार्म लिया ही क्यों। ये सब बहाने हैं और हार चुकी भाजपा की हताशा। जो न्यायालय के कैमरे के सामने छल कर सकते हैं वो फार्म मिलने के बाद पीठ पीछे क्या-क्या साज़िश रचते होंगे। भाजपा बात में ही नहीं काम में भी झूठी है समस्त प्रशासनिक तंत्र को भ्रष्ट बनाने की दोषी भी है। इस घटना की भी न्यायिक जांच हो, किसी का पर्चा निरस्त करना लोकतांत्रिक अपराध है।

मीरा के पति का आरोप- सुधार का मौका नहीं दिया

मीरा के पति दीपनारायण यादव ने कहा कि गुरुवार को तो अधिकारियों ने वेरिफाई किया था। नियमावली में साफ नियम है कि कुछ कमी है तो निर्वाचन अधिकारी उसमें सुधार के लिए कहता है। गुरुवार को अधिकारियों ने नामांकन को ओके किया था। अब उसमें दो कमियां बताई जा रही हैं। दो जगह प्रत्याशी के दस्तखत होते हैं। एक जगह तो है और दूसरी जगह नहीं है। मतदाता परिचय पत्र की पुरानी सर्टिफाइड कॉपी दी है। उसकी वजह यह है कि हमने दो अप्रैल को आवेदन दिया था। तीन अप्रैल को कॉपी नहीं मिल पाई। हमारे पास जो सर्टिफाइड कॉपी उपलब्ध थी, वह हमने लगा दी। अगर आपको खराब दिख रही थी, पुरानी दिख रही थी तो हमें कहा जाता। हम वह भी उपलब्ध करा देते। हम तीन बजे के पहले सामने थे। कलेक्टर ने मुझसे कहा कि नामांकन निरस्त कर दिया है। हमने कहा कि अभी समय है। तीन बजने में वक्त है। यदि कोई कमी है तो हम उसे ठीक कर देंगे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को लग रहा था कि कमी है तो वह हमें बता सकते थे। हम उसे ठीक कर देते। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीजेपी में शामिल हुए बगैर बीजेपी को समर्थन दिया है।

हम इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पास जाएंगे।

मल्हारगढ़ तहसील के पत्रकारों का होली मिलन समारोह संपन्न

टकरावद प्रतीवर्षानुसार इस वर्ष भी मल्हारगढ तहसील के पत्रकारों का होली मिलन समारोह शुक्रवार को गाजणी माता मंदिर बालागुढ़ा पर रखा गया जिसमें जनसारंगी संपादक नरेंद्र अग्रवाल मंदसौर, श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष प्रीति पालसिंह राणा, कृष्णा बैंक के संचालक महेश जुनवाल, समाजसेवी ओमप्रकाश बटवाल मल्हारगढ़, चंद्रमणिके संपादक राधेश्याम बैरागी, प्रेस प्रतिज्ञा के संपादक प्रकाश बंसल, पंचवटी संपादक जगदीश पंडित, पत्रकार संजय भाटी मंदसौर, महेश पाटीदार, लालसिंह शक्तावत जिला अध्यक्ष सचिव संघ मंदसौर, पंकज जैन टकरावद ने अपने विचार व्यक्त किया और पत्रकारों को निष्पक्ष का और निडरता और पवित्रता के साथ पत्रकारिता के साथ-साथ समाज सेवा करने का भी संदेश दिया इस अवसर पर सभी पत्रकारों ने गुलाल से एक दूसरे को रंग लगाकर होली भी खेली और एक दूसरे को बधाई भी दी अतिथियों का स्वागत निलेश शुक्ला, पंकज जैन, दिलराज शर्मा,राकेश सेन सम्राट, शीतल पंडित, महेश मरेठा, रवि पोरवाल, पंकज शर्मा,सोनू चौहान सतीश दरिंग,विकास जैन बिल्लोद,रामप्रसाद राठौर,नेमीचंद डाका,रमेश पेंटर, मांगीलाल पाटीदार बूढा , मानसिंह डांगी सईद मेव, मंगलेश सूर्यवंशी, घनश्याम रावत, घनश्याम पाटीदार, प्रेम प्रकाश जैन,सहित अनेक पत्रकारों ने अतिथियों का स्वागत किया कार्यक्रम का संचालन पत्रकार सूरजमल राठौर ने किया व आभार दिलराज शर्मा बालागुड़ा ने व्यक्त किया होली मिलन समारोह मे जेपी तेलकर, मनोहर काबरा, नरेंद्र राठौर,राजेश फरक्या, विजय गेहलोत सहित मल्हारगढ़ तहसील के अनेक पत्रकार थे समारोह मे वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल नागर का सम्मान किया गया

संवीक्षा के बाद खजुराहों में 14 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में शेष

लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत शुक्रवार को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा में पांच अभ्यर्थियों का नामांकन पत्र रद्द हो जाने के बाद खजुराहो संसदीय क्षेत्र से अब 14 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में शेष रह गये हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी सोमवार, 8 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवारी से नाम वापस ले सकेंगे। पन्ना जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा का काम खत्म हो जाने के बाद चुनावी मैदान में शेष रह गये अभ्यर्थियों में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार विष्णुदत्त शर्मा एवं बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी कमलेश कुमार शामिल है, जबकि 12 निर्दलीय अभ्यर्थी मोहम्मद इमरान, कपिल गुप्ता भारतीय, केशकली, गिरन सिंह, नंदकिशोर, पंकज मौर्य (कुशवाहा), पन्ना लाल त्रिपाठी एड., फिरोज खां, बिटइया अहिरवार, आर.बी. प्रजापति (राजा भइया) पूर्व आई.ए.एस., लक्ष्मी प्रसाद और पेंटर सुनमान सिंह लोधी शेष रह गए हैं।

63 करोड़ 50 लाख से अधिक मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त

नगद राशि, अवैध शराब, मादक पदार्थ, अमूल्य धातु की हुई जब्ती

दमोह - मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद पुलिस एवं अन्य एन्फोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि 16 मार्च से 2 अप्रैल तक 6 करोड़ 58 लाख 53 हजार 49 रूपये नगद राशि सहित 63 करोड़ 50 लाख 16 हजार 304 रूपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त की गयी हैं। इसमें 11 लाख 32 हजार 859 लीटर मदिरा भी जब्त की गयी है, जिसका मूल्य 17 करोड़ 95 लाख 55 हजार 629 रूपये है। इसी तरह 14 करोड़ 34 लाख 35 हजार 955 रूपये मूल्य के 10 हजार 285 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स और 3 करोड़ 92 लाख 71 हजार 21 रूपये मूल्य की 199 किलोग्राम से अधिक कीमती धातुएँ भी जब्त की गई हैं।

धार्मिक शहर के संतों ने एक सुर में कहा जो राम को लाए हैं हम उनको लायेंगे

मोनतीर्थ पर नन्हे बालक ने सांसद को कहा अबकी बार 400 पर

उज्जैन/ हम संत हैं और हमारा काम है सनातन धर्म को संजीव करना और संजीव करने में जो दल आज कार्य कर रहा है भारत वर्ष ही नहीं वरन विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए हैं और जो सबसे बड़ा कार्य वर्तमान की सरकार ने किया है वह भगवान श्री राम मंदिर के लोकार्पण का तो संत समाज यह जानता है की जो धर्म रक्षति रक्षिता धर्म है जो धर्म की रक्षा करेगा, धर्म उसकी रक्षा करेंगे और जो राम को लाए हैं हम उनको लायेंगे । यह बात आज उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय प्रत्याशी अनिल फिरोजिया के द्वारा संत संपर्क और सम्मान के तहत आशीर्वाद लेने के क्रम में संतों ने कही आज निर्धारित कार्यक्रम के तहत अनिल फिरोजिया अंकपात मार्ग स्थित निर्वाणी अखाड़ा दिगंबर अखाड़ा मैं पहुंचे और संतो से आशीर्वाद लिया और वचन दिया कि धर्म की रक्षा के लिए मैं और भारतीय जनता पार्टी सदैव मैदान में रहने वाली है । इस अवसर पर दिगंबर अखाड़े के महंत रामचंद्र दास जी महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया । महंत दिग्विजय दास जी, महामंडलेश्वर ज्ञान दास जी, महंत लाल दास जी, महंत बालक दास जी, महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया । संत मुनि शरणदास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया संत रामानंद सेवा आश्रम अंकपात मार्ग उज्जैन अखिल भारतीय श्री पंच रामानंदीय खाकी अखाड़ा के तुलसी दास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया श्री श्री 1008 राजेश त्यागी जी महाराज जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया सुन्दर धाम निर्मोही अखाड़ा उज्जैन के महंत श्री महेश दास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया श्री राम जनार्दन मंदिर रोड स्थित श्री शीतला माता गोसाला के महंत श्री बालकृष्ण दास जी का आशीर्वाद प्राप्त किया एवम् गो माता की पूजा की मंगलनाथ मंदिर मार्ग स्थित ठाकुर जी बाकेबिहारी मंदिर के पंडित श्री हरिनारायण शास्त्री जी का आशीर्वाद प्राप्त किया मोहन तीर्थ स्थित महामंडलेश्वर सुमन आनंद जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया वहीं पर एक नन्हे बालक ने फिरोजिया जी को आकर कहा अबकी बार 400 पार इस अवसर पर उपस्थित उज्जैन उत्तर के लोकप्रिय विधायक अनिल जैन कालू हर ने कहा कि आगामी सिंहस्थ महापर्व की सफलता हेतु भी भारतवर्ष में एक धर्म का आचरण और समर्थन करने वाली सरकार चाहिए वह संतो के आशीर्वाद से ही संभव होगा ।

11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक पांच दिवसीय महायज्ञ में शामिल होंगे देश भर के 100 से अधिक संत

कलश यात्रा व गोपूजन से होगा शुभारंभ

संतो के द्वारा पौधारोपण कर दिया जाएगा प्रकृति पर्यावरण व हरियाली का संदेश

नालछा/सिद्धेश्वर महादेव मंदिर जुग्गा महाराज पर 11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक 11 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है आयोजन को लेकर नगर में व्यापक तैयारियां की गई है आयोजन में देशभर से 100 से अधिक संत पहुंचेंगे साथ ही उज्जैन के प्रसिद्ध यज्ञाचार्य के द्वारा महायज्ञ का अनुष्ठान करवाया जाएगा कलश यात्रा के साथ-साथ क्षेत्र में पहली बार गो पूजन के साथ महा यज्ञ का शुभारंभ होगा श्री श्री 1008 राजेंद्र पुरी महाराज पंचायती निरंजनी अखाड़ा की प्रेरणा से यह आयोजन किया जा रहा है आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में हवन कुंड एवं हवन शाला का निर्माण किया जा रहा है क्षेत्र में पहली बार इस तरीके से भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसको लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी शुरू हो गई है

कलश यात्रा वह गौ पूजन से होगा शुभारंभ 10 अप्रैल सुबह प्रात: 8 बजे कालिका माता मंदिर टेकरी से एक विशाल कलश यात्रा का शुभारंभ होगा यात्रा में आकर्षण के केंद्र में रहेंगे नगर भ्रमण के बाद यात्रा मंदिर परिसर पहुंचेगी जहां पर शाम 6 बजे महायज्ञ का शुभारंभ गोपूजन के साथ किया जाएगा

सुंदरकांड के साथ अन्य आयोजन भी आयोजित होंगे पांच दिवसय धार्मिक अनुष्ठान के दौरान 11 अप्रैल की रात्रि 8 बजे सै संगीतमया सुंदरकांड का आयोजन होगा 12 अप्रैल की रात्रि में स्थानिक कलाकारों द्वारा तंबूरा भजन की प्रस्तुति दी जाएगी 13 अप्रैल की रात्रि में महिलाओं द्वारा मंगलमय भजनों की प्रस्तुति होगी बाबा खाटू श्याम का होगा भव्य कीर्तन आयोजन के तहत 14 अप्रैल रविवार की रात्रि 8 बजे से बाबा खाटू श्याम के कीर्तन का आयोजन होगा जहां बाबा का दरबार आकर्षक स्वरूप से सजाया जाएगा वही खाटू वाले बाबा के मंगलमय भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी

देश भर से 100 से अधिक संत समागम शामिल होंगे आयोजन में देश भर से 100 से अधिक संत समागम के आगमन की भी संभावना है सभी संतो को आमंत्रण भेजा जा चुका है संतों की मौजूदगी में भव्य आयोजन किया जा रहा है संतो के कर कमलो से होगा पौधारोपण प्रकृति पर्यावरण को लेकर दिया जाएगा हरियाली का संदेश आयोजन के अंतिम दिन देशभर से पधारे सभी संतो के कर कमल से मंदिर परिसर में अलग-अलग प्रजाति के पौधारोपण आयोजित कर संतों के द्वारा प्रकृति पर्यावरण को लेकर हरियाली का संदेश भी दिया जाएगा

कन्या पूजन के साथ होगा समापन 15 अप्रैल को संतों के सम्मान के साथ महा यज्ञ की पूर्णाहुति एवं कन्या भोज के साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करेंगे सिद्धेश्वर महादेव मंदिर जुग्गा महाराज पर 11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक 11 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ को लेकर हवनशाला का निर्माण किया जा रहा हैनालछा में होगा 11 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन

11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक पांच दिवसीय महायज्ञ में शामिल होंगे देश भर के 100 से अधिक संत
कलश यात्रा व गोपूजन से होगा शुभारंभ
संतो के द्वारा पौधारोपण कर दिया जाएगा प्रकृति पर्यावरण व हरियाली का संदेश
नालछा/सिद्धेश्वर महादेव मंदिर जुग्गा महाराज पर 11 अप्रैल से 15 अप्रैल तक 11 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है आयोजन को लेकर नगर में व्यापक तैयारियां की गई है आयोजन में देशभर से 100 से अधिक संत पहुंचेंगे साथ ही उज्जैन के प्रसिद्ध यज्ञाचार्य के द्वारा महायज्ञ का अनुष्ठान करवाया जाएगा कलश यात्रा के साथ-साथ क्षेत्र में पहली बार गो पूजन के साथ महा यज्ञ का शुभारंभ होगा श्री श्री 1008 राजेंद्र पुरी महाराज पंचायती निरंजनी अखाड़ा की प्रेरणा से यह आयोजन किया जा रहा है आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में हवन कुंड एवं हवन शाला का निर्माण किया जा रहा है क्षेत्र में पहली बार इस तरीके से भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसको लेकर व्यापक स्तर पर तैयारी शुरू हो गई है
कलश यात्रा वह गौ पूजन से होगा शुभारंभ 10 अप्रैल सुबह प्रात: 8 बजे कालिका माता मंदिर टेकरी से एक विशाल कलश यात्रा का शुभारंभ होगा यात्रा में आकर्षण के केंद्र में रहेंगे नगर भ्रमण के बाद यात्रा मंदिर परिसर पहुंचेगी जहां पर शाम 6 बजे महायज्ञ का शुभारंभ गोपूजन के साथ किया जाएगा
सुंदरकांड के साथ अन्य आयोजन भी आयोजित होंगे
पांच दिवसय धार्मिक अनुष्ठान के दौरान 11 अप्रैल की रात्रि 8 बजे सै संगीतमया सुंदरकांड का आयोजन होगा 12 अप्रैल की रात्रि में स्थानिक कलाकारों द्वारा तंबूरा भजन की प्रस्तुति दी जाएगी 13 अप्रैल की रात्रि में महिलाओं द्वारा मंगलमय भजनों की प्रस्तुति होगी बाबा खाटू श्याम का होगा भव्य कीर्तन आयोजन के तहत 14 अप्रैल रविवार की रात्रि 8 बजे से बाबा खाटू श्याम के कीर्तन का आयोजन होगा जहां बाबा का दरबार आकर्षक स्वरूप से सजाया जाएगा वही खाटू वाले बाबा के मंगलमय भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी देश भर से 100 से अधिक संत समागम शामिल होंगे आयोजन में देश भर से 100 से अधिक संत समागम के आगमन की भी संभावना है सभी संतो को आमंत्रण भेजा जा चुका है संतों की मौजूदगी में भव्य आयोजन किया जा रहा है संतो के कर कमलो से होगा पौधारोपण प्रकृति पर्यावरण को लेकर दिया जाएगा हरियाली का संदेश आयोजन के अंतिम दिन देशभर से पधारे सभी संतो के कर कमल से मंदिर परिसर में अलग-अलग प्रजाति के पौधारोपण आयोजित कर संतों के द्वारा प्रकृति पर्यावरण को लेकर हरियाली का संदेश भी दिया जाएगा
कन्या पूजन के साथ होगा समापन 15 अप्रैल को संतों के सम्मान के साथ महा यज्ञ की पूर्णाहुति एवं कन्या भोज के साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करेंगे

स्व. श्री प्यारेलाल खंडेलवाल जी की स्मृति में राम मंदिर के नींव के पत्थर विषय पर होगा व्याख्यान

विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महामंत्री श्री सुरेंद्र कुमार जैन होंगे मुख्य वक्ता

इंदौर । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री स्वर्गीय श्री प्यारेलाल खंडेलवाल जी की स्मृति में स्वर्गीय प्यारेलाल खंडेलवाल स्मृति मंच इंदौर द्वारा राम मंदिर के नींव के पत्थर विषय पर व्याख्यान का आयोजन 6 अप्रैल 2024 शनिवार को आरएनटी मार्ग स्थित रविंद्र नाट्यगृह में शाम 6:00 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा, मंच के संयोजक श्री दीपांश खंडेलवाल ने बताया कि प्रख्यात गायक श्री गौतम काले एवं उनकी टीम द्वारा संगीतमय श्री राम सुमिर की प्रस्तुति भी दी जाएगी।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महामंत्री श्री सुरेंद्र कुमार जैन होंगे एवं कार्यक्रम देवपुत्र के संपादक श्री कृष्ण कुमार अष्टाना जी के मुख्य आतिथ्य में होगा।

थाना रावेर जिला जलगांव के 13 साल से फरार आरोपी अनीस उर्फ अनस्या निवासी जामठी को शाहपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

आपसी समन्वय हेतु हुई बॉर्डर मीटिंग के दौरान प्राप्त फरार आरोपियों की सूची पर शाहपुर पुलिस ने की कार्यवाही।

बुरहानपुर,लोकसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत बुरहानपुर पुलिस द्वारा जिले से लगे महाराष्ट्र के सीमावर्ती जिलों की पुलिस के साथ आपसी समन्वय के द्वारा कार्य करने के उद्देश्य से बार्डर मींटिग की गई थी जिसमें महाराष्ट्र राज्य के फरार आरोपियो की सूची थाना शाहपुर पुलिस को प्राप्त हुई थी। सूची प्राप्त होने के उपरांत पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री देवेन्द्र कुमार पाटीदार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी नेपानगर श्री निर्भय सिंह अलावा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शाहपुर निरीक्षक अखिलेश मिश्रा द्वारा फरार आरोपियो की पतारसी हेतु टीम गठित की गई थी। टीम में प्रआर. मनोज मोरे, प्रआर. दीपेन्द्र सिह तंवर के द्वारा थाना रावेर जिला जलगांव महाराष्ट्र के अपराध क्रमांक 254/2011 धारा 397,336,337 भादवि में 13 वर्ष से धारा 299 जा.फौ. में फरार आरोपी अनीस उर्फ अनस्या पिता बुदल्या भिलाला निवासी जामठी को आज दिनांक 05/04/2024 को अभिरक्षा में लेकर थाना रावेर जिला जलगांव महाराष्ट्र को सूचित कर आरोपी अनीस उर्फ अनस्या को थाना रावेर के प्रधान आरक्षक सतीश दिनकर एवं आर संतोष गोदगे के जिम्मे किया गया।

मजदूरो का घर के सामने बैठने की बात झगडा कर मार-पीट करने वाले आरोपी को 1 वर्ष कारावास एवं 500/- का अर्थदंड

बुरहानपुर श्रीमति संध्या देवेश मिश्रा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बुरहानपुर ने आरोपी भावेश राजकुमार को धारा 325 भादवि मे 1 वर्ष कारावास एवं 500/- का अर्थदंड से दंडित किया है।सहा.जिला अभियोजन अधिकारी श्री अनिलसिंह बघेल ने बताया कि, घटना दिनांक 13-03-2019 से 20 दिन पूर्व आहत एवं अभियुक्त के मध्य बातचीत हुई कि फरियादी के मजदूर अभियुक्त के मकान के सामने सामने क्यों बैठते है उक्त बात पर से अभियुक्त ने घटना दिनांक को फरियादी को अश्लिल गालियां दी। आहत ने मना किया तो आरोपी भावेश ने आहत के साथ लात मुक्को से मार पीट की जिससे आहत को नाक, सीना, गला व पैरो में गंभीर चोंटे आई। फरियादी द्वारा उक्त घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना गणपतिनाका द्वारा अपराध क्रमांक 229/19 धारा 323, 504, 325 भादवि का पंजीबध्द कर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।प्रकरण में शासन की ओर से सफलतापूर्वक पैरवी सहा. अभियोजन अधिकारी श्री अनिलसिंह बघेल द्वारा की गई जिसके पश्चात मान. न्यायालय द्वारा आरोपी भावेश राजकुमार को धारा 325 भादवि मे 1 वर्ष कारावास एवं 500/- का अर्थदण्ड से दंडित किया गया।

प्रत्येक मतदाता के शत प्रतिशत मतदान से ही इस देश की दिशा और दशा तय होगी - ब्रांड एम्बेसेडर महेंद्र जैन

बुरहानपुर नि.प्र- मुख्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जिले की कलेक्टर भव्या मित्तल के निर्देशन में एवं सी ई ओ जिला पंचायत व् स्वीप नोडल अधिकारी सृष्टि देशमुख के मार्गदर्शन में लोकसभा आम निर्वाचन मतदाता जागरूकता अभियान के ब्रांड एम्बेसेडर महेंद्र जैन ने 13 मई 2024 वार सोमवार को श्रीराम कथा समापन अवसर पर गणपति वाडी इतवारा नागझिरी बुरहानपुर पर उपस्थित सभी मतदाताओ से यह विनम्र निवेदन किया की आपको 13 मई 2024 को सूरज की पहली किरण के साथ में स्वयम तो मतदान करे ही और दुसरो को भी मतदान के लिए प्रेरित कर मतदान बूथ तक भेजना है क्योकि यह प्रत्येक मतदाता नागरिक का हक और अधिकार है की वह मतदान अवश्य करे और इस भूमिका में जब तक प्रत्येक मतदाता अपने मतदान का उपयोग नही करेगा तब तक सशक्त सरकार का गठन नही होगा द्य प्रत्येक मतदाता के शत प्रतिशत मतदान से ही इस देश की दिशा और दशा तय होगी द्य इस अवसर पर उपस्थित समाज जनों को मतदान जागरूकता अभियान के ब्रांड एम्बेसेडर महेंद्र जैन ने शपथ दिलाई द्य इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था के सम्मानीय सदस्य जायंट्स अध्यक्ष शोभा चौधरी , जनजाग्रति अध्यक्ष सुनील सलूजा ,जायंट्स जनजाग्रति के सम्मानीय सदस्य डॉ रमेश शर्मा धुँआधार व् तुषार चौधरी के साथ साथ बिसालाड समाज बुरहानपुर गणपति वाडी इतवारा नागझिरी के अध्यक्ष नारायण बजाज , सचिव श्रीमती ललिता मेहता , उपाध्यक्ष चन्द्रकांत श्रॉफ ,पूर्व अध्यक्ष सतीष गुजराती , रमन लाल बजाज के साथ साथ समस्त समाजजन इस अवसर पर उपस्थित थे ।

जायंट्स ग्रुप ऑफ़ बुरहानपुर सहेली की सदस्या इशरत शकील सिद्दीक़ी ने ग्रुप सदस्यों के लिए रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया

बुरहानपुर ,जायंट्स ग्रुप ऑफ़ बुरहानपुर सहेली की सामाजिक गतिविधियों इसकी अध्यक्ष श्रीमती अंजू काटरवार के मार्गदर्शन में निरंतर संचालित है। वही सामाजिक समरसता, भाईचारा और एकता बढ़ाने के उद्देश्य से संस्था की सदस्य श्रीमती इशरत शकील सिद्दीक़ी मदनी की ओर से ग्रुप की सहेलियों के लिए रोज़ा इफ्तार का आयोजन ज्योति नगर स्थित निवास पर किया गया जिसमें संस्था अध्यक्ष श्रीमती अंजू काटरवार सहित श्रीमती सरोज ठाकुर, एकता शिवहरे, ममता ठाकुर, आसिया मंसूरी शगुफ्ता आदि ने शिरकत करके रोज़ा इफ्तार किया। संस्था अध्यक्ष श्रीमती अंजू काटरवार एवं श्रीमती सरोज ठाकुर ने इस आयोजन की प्रशंसा की।

चतुर्थ दिवस भागवत महापुराण कथा में मनाया गया भगवान का जन्म उत्सव - रेवा रामचंद्रपुरिया

दमोह जिले की पावन वसुंधरा में राय चौराहा के समीप सुधा अग्रवाल जी के यहां चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस की पावन में बेला में परम पूज्य व्यास श्री रेवा रामचंद्रपुरिया जी महाराज ने भगवान की चतुर्थ दिवस की कथा को सुनते हुए कहा की किस प्रकार से जब-जब इस भूमि पर धर्म की हानि एवं असुरों का अनाचार अत्याचार पाप बढ़ता है तब तब भगवान जो है अवतार धारण करके भूमि पर सत्य की स्थापना धर्म की स्थापना करने के लिए अवतार धारण करते हैं इसलिए मानस में बाबा तुलसीदास जी कहते हैं जब-जब हो यह धर्म की हानि बढ़ही असुर अधम अभिमानी तब तब धारी प्रभु मनुज शरीरा हरहिं कृपा निधि सज्जन पीरा, एवं श्री राम कथा का संक्षेप में वर्णन करते हुए श्री बालकृष्ण लाल जी के जन्म की कथा के प्रसंग की सभी को कथा श्रवण कराई सभी भक्त कथा को सुनकर के भाव विभोर हुए एवं भगवान की जन्मोत्सव को धूमधाम के साथ सभी ने मनाया ।।श्री राधे श्याम।।

मेंडकेश्वर महादेव मंदिर के नजदीक जमीन का पट्टा शासन ने दिया लीज पर,, यही पर पूर्व में ब्लास्ट से मंदिर की दीवार हुई क्षतिग्रस्त,,समिति ने पट्टा निरस्त करने की करी मांग

सिंगोली( ),, सिंगोली तहसील के ग्राम अरनिया के पास स्थित मेंडकेश्वर महादेव जो की अति प्राचीन मंदिर देवस्थान है जिस पर शासन नियंत्रित करता है इसके पास लगी शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 02 रकवा 0.420 हेक्टेयर सर्वे क्रमांक 3 रकबा 0.210 हेक्टेयर सर्वे क्रमांक 4 रकबा 0.136 हेक्टेयर में स्थित है इसके पास लगी सर्वे नंबर 10/11 का कुल रखवा 4 हेक्टर में दिनांक 27 सितंबर 2023 से 26 सितंबर 2033 तक फर्शी पत्थर उत्खनन हेतु लीज पट्टा शासन द्वारा कमलेश पिता कन्हैया लाल शर्मा निवासी बिजोलिया (राजस्थान) को जारी किया गया हे यह पट्टा मंदिर से लगा होने से 5 वर्ष पूर्व भी यही पर पत्थर खनन कार्य किया गया जिससे ब्लास्टिंग करने के कारण मंदिर की दिवारे क्षतिग्रस्त हो गई थी और ग्रामीणों ने इस बात का विरोध भी उस समय किया था ,,पुनः पुरानी फर्म कमलेश कन्हेयालाल शर्मा को लीज पर यह पट्टा देकर शासन ने ग्रामीणों के विश्वास पर कुठाराघात किया हे शर्मा बंधुओ द्वारा फिर से पत्थर उत्खनन किया जायेगा तो अब की बार मेंडकेश्वर महादेव मंदिर ही ढह जायेगा ,,इस बात को लेकर मंदिर समिति ने 27 मार्च 2024 को कलेक्टर नीमच को एक आवेदन देकर के उक्त लीज को खारिज करने की मांग रखी हे साथ ही अरनिया धार्मिक सामाजिक कल्याण समिति द्वारा 22 जुलाई 2022 के अनुसार सर्वे नंबर 09 रघुवा 1.066 हेक्टेयर सर्वे क्रमांक 10 लगभग 3.873 हेक्टर और सर्वे क्रमांक 11 रकबा 3.972 कुल03 लगभग 8.99 एक्टिव भूमि को गोचर भूमि परिवर्तित करने का आवेदन किया था उक्त भूमि को चारागाह भूमि में परिवर्तित करने की मांग भी रखी थी मंदिर के पुजारी संजय मिश्रा,,नंदकिशोर दास जी महाराज, मंदिर समिति अध्यक्ष भंवरलाल धाकड़ ,

सचिव खेमराज धाकड़ ,कोषाध्यक्ष

पूर्व सरपंच रमेश धाकड़ ,,सदस्य बंसीलाल धाकड़ सभी ने पुनः शासन से उक्त लीज को निरस्त करने की मांग करी हे जिससे की मंदिर सुरक्षित रहे और धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचे

बाल विवाह रोकथाम संबंधित बैठक आयोजित

कुक्षी (निप्र) बाल विवाह रोकथाम संबंधित आज दिनांक 05.04.2024 को समय दोपहर 02ः00 बजे कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुक्षी के कॉफेस हॉल में पत्रकार बंधु, टेंट हाऊस संचालक, डी.जे. संचालक, हलवाई, पंडितजी, मोलानाजी, पत्रकार बंधुं इत्यादि की बैठक आयोजित किया गया। उक्त बैठक में परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कुक्षी एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहीं । बैठक में श्री प्रमोद सिंह गुर्जर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुक्षी द्वारा बाल विवाह रोकथाम संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा की गई। आगामी माहों में एवं अक्षय तृतीया में सामुहिक विवाह में अनुभाग कुक्षी अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह कार्यक्रम आयोजित होने वाले है बाल विवाह रोकथाम हेतु बाल विवाह करने वाले को अधिनियम के तहत् सजा का प्रावधान होना बताया गया । बाल विवाह को रोकने हेतु उपस्थित पत्रकार बंधु, टेंट हाऊस संचालक, डी.जे. संचालक, हलवाई, पंडितजी, मोलानाजी इत्यादि से प्रशासन को सहयोग करने की अपील की गई।

कलेक्टर ने त्यौहारों के मद्देनजर कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को सौंपे कार्य-दायित्व

बुरहानपुर- जिले में 10 अप्रैल को चैती चांद, 11 अप्रैल को ईद-उल-फितर, 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती/वैशाखी तथा 17 अप्रैल को रामनवमी आदि त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की थानेवार ड्यूटी लगाई है।इन्हें सौंपे कार्य-दायित्व - अनुविभाग बुरहानपुर अंतर्गत संपूर्ण स्थिति पर नियंत्रण प्रभारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी श्रीमति पल्लवी पुराणिक व अनुविभाग नेपानगर अंतर्गत संपूर्ण स्थिति पर नियंत्रण प्रभारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी श्री अजमेर सिंह गौड को नियुक्त किया है। वहीं थाना लालबाग, गणपति नाका, कोतवाली, शिकारपुरा, निम्बोला, शाहपुर, धुलकोट, खकनार, नेपानगर, पुलिस चौकी देड़तलाई एवं पुलिस चौकी नावरा क्षेत्र हेतु संबंधित क्षेत्र के कार्यपालिक दण्डाधिकारी को कार्य-दायित्व सौंपे है।कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि, समस्त कार्यपालिक मजिस्ट्रेट त्यौहारों के पूर्व क्षेत्रान्तर्गत शांति समिति की बैठक अनिवार्यतः आयोजित करना सुनिश्चित करें। सभी अधिकारीगण अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत भ्रमण करें एवं कड़ी निगरानी रखें।

संभागायुक्त की अध्यक्षता में लोकसभा 2024 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन

झाबुआ । संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा निर्वाचित 2024 की तैयारियों से संबंधी राजस्व, पुलिस और नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग और पुलिस उप महानिरीक्षक श्री निमिष अग्रवाल भी उपस्थित रहे।बैठक मे लोकसभा संसदीय क्षेत्र - 24 रतलाम की रिटर्निंग ऑफीसर और जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना ने अब तक की गयी तैयारियों का ब्यौरा पीपीटी के माध्यम से अवगत कराया गया । कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले मे कुल 981 मतदान केन्द्र और 2 सहायक मतदान केन्द्र है ,जिन्हे आदर्श मतदान केन्द्र बनाने के सन्दर्भ मे कार्यवाही की जा रही है, जिसके तहत तैयार सैम्पल मतदान केन्द्र भी दिखाया गया। इसी दौरान ईपिक कार्ड के प्रिटिंग और डिलीवरी स्टेटस, जिले का ईपी रेशियो (68.22), जिले में थर्ड जेण्डर मतदाता की संख्या (19) ,विधानसभा निर्वाचन 2023 में होम वोटिंग के लिए पात्र वृद्धजनों और दिव्यांगजनों की संख्या , ईवीएम की उपलब्धता और एफएलसी स्टेटस , प्रशासन के पास मतदान कार्य के आयोजन के लिए उपलब्ध अमला, प्रशिक्षण शेड्यूल , सम्पत्ति विरूपण के तहत की गई कार्यवाही, 1950 और ष्ट 1द्वद्वद्वद्य पर आयी शिकायत और उनका निवारण, कोलाहल अधिनियम के तहत दर्ज कुल 10 शिकायत ,आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के तहत की गयी कार्यवाही, पुलिस और आबकारी के द्वारा अवैध शराब की रोकथाम के लिए की गयी कार्यवाही से विस्तृत रूप से अवगत कराया गया । पुलिस अधीक्षक श्री पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा अन्तर्राज्यीय चेकपोस्ट(16) और जिले की सीमा पर स्थित चेकपोस्ट की जानकारी दे कर बताया गया कि वर्तमान में 5 एसएसटी दल कार्यान्वित है और उनके द्वारा की गयी सीजर कार्यावाही से अवगत कराया गया। संभागायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि भारत निर्वाचन आयोग की प्रत्येक गाइडलाइन का अक्षरशः ज्ञान होना आवश्यक है, इसी के साथ दिव्यांगजनों और 85+ आयु के वृद्धजनों के लिए घर पर मतदान की पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध कराये। पुलिस मतदान केन्द्रों पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटीज जैसे पीने का पानी , शौचालय की व्यवस्था , स्वच्छता के लिए पंचायतो के माध्यम से उपलब्ध करायी जाए। अन्तरर्राज्यीय समन्वय की बैठक और उसकी समीक्षा बैठक निरन्तर की जाए। वल्नरेबल और क्रिटीकल मतदान केन्द्रो की मैपिंग के लिए सेक्टर ऑफिसर और सेक्टर पुलिस का आरिएंटेशन किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान ईवीएम लेग बनाकर प्रत्येक बैच को प्रशिक्षण दिया जाए जिससे ईवीएम कार्य में सुविधा हो जाए और ईवीएम संचालन आसानी से किया जा सके। रिजर्व ईवीएम के लिए उचित प्रबंधन करे,जिससे तहत कलेक्टर द्वारा अवगत कराया गया कि रिजर्व ईवीएम को विधानसभावार सब ट्रेजरी में रखा जाएगा। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग द्वारा निर्देशित किया गया कि पुलिस और प्रशासन को समन्वित रूप से कार्य कर जिले में शांतिपूर्वक निर्वाचन कराया जाए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एस एस मुजाल्दा , सहायक रिटर्निंग ऑफिसर पेटलावद श्री अनिल कुमार राठौर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सत्यनारायण दर्रो , सहायक रिटर्निंग ऑफिसर थांदला श्री तरुण जैन , अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर श्री मुकेश सोनी, एसडीओपी झाबुआ रूपरेखा यादव, एसडीओपी थांदला श्री रविन्द्र सिंह राठी , समस्त नोडल अधिकारी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी ने शाजापुर में किया जनसंपर्क

कहा: मोदी जी नहीं जनता लड़ रही चुनाव, जनता ने दिया आशीर्वाद

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, देवास शाजापुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सोलंकी ने शुक्रवार को शाजापुर विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क किया एवं अबकी बार 400 पर के नारे के साथ आम जनता का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान वे मीडिया से भी मिले और कहा कि इस बार मोदी जी ने जनता चुनाव लड़ रही है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने बताया कि शुक्रवार को क्षेत्रीय सांसद एवं प्रत्याशी महेंद्रसिंह सोलंकी ने शाजापुर विधानसभा के ग्रामीण मंडल के विभिन्न गांवों में पहुंचे चुनावी जनसंपर्क किया और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अबकी बार 400 पार के नारे के संकल्प के साथ मतदाताओं से आशीर्वाद लिया। जनसंपर्क के दौरान लोकसभा प्रत्याशी श्री सोलंकी का लोगो ने पुष्प वर्षा के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। जनसंपर्क के दौरान आयोजित सभा में श्री सोलंकी ने संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत उन्नति की राह पर आगे बढ़ रहा है। पिछले दस सालो में देश में जो विकास हुआ है ऐसा कभी नहीं हुआ। मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने के बाद देश के विकास को और गति मिलेगी। इसके लिए आप और हम को मिलकर इस संसदीय क्षेत्र से प्रचंड मतो से भाजपा को जिताना है और देश के विकास के लिए मोदी जी के हाथो को मजबूत करना है। इस दौरान सुबह 10 बजे शाजापुर के प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी माता मंदिर में दर्शन के पश्चात गांव मूलीखेडा से जनसंपर्क प्रारंभ हुआ जो देर शाम को ग्राम गिरवर पटोली पहुंचकर संपन्न हुआ। जनसंपर्क कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, प्रदेश मंत्री क्षितिज भट्ट, जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, राजेश यादव, रवि पांडे, नपा अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष संतोष जोशी, विधानसभा संयोजक किरण ठाकुर, भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्याम टेलर, किशोर सोलिया, रामचंद्र भावसार, शीतल भावसार, रमेश पाटीदार, उमेश टेलर, दिलीप त्रिवेदी, कृष्णकांत कराड़ा, हरिओम गोठी, राधेश्याम गुर्जर, मोहन जादौन, विवेक शर्मा, यमुना कछावा, चेतना शर्मा, श्रद्धा नागर, पंकज नागर, कौशल कसेरा, धर्मेंद्र ठाकुर, अजय चंदेल, दिनेश सोराष्ट्रीय, भूपेंद्र मेड़ा,सोनू सोलंकी, आशीष नागर, सतीश पाटीदार, गोविंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आदित्य नगर में युवक ने लगाई फांसी

घर में पारिवारिक विवाद के चलते उठाया कदम

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, नगर के आदित्य नगर निवासी एक युवक ने गुरुवार देर रात पारिवारिक विवाद के चलते घर में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को लगी युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में लेकर आएं जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक के शव को पीएम के बाद आज परिजनों को सौंपा गया। लालघाटी पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। लालघाटी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नरेंद्र पिता देवनारायण परमार (36) निवासी आदित्य नगर ने गुरुवार रात को पारिवारिक विवाद में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

कटनी में लोकसभा चुनाव के चलते हुई वाहन चैकिंग

एक बुलेरो कार से नगद 5 लाख रुपए मिले, पुलिस ने रूपयो को करा जब्त

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के मिशन चौक पर कोतवाली पुलिस द्वारा लोकसभा चुनाव के चलाते वाहन चैकिंग के दौरान एक बुलेरो कार से नगद 5 लाख रुपए मिले इन रुपयों संबंधी कागजात न मिलने पर कोतवाली पुलिस से सारे रूपयो को जाब्त कर लिया है और रुपए संबंधी कागजात थाने के लिए कहा गया। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया की लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर मिशन चौक पर वाहन चैकिंग और काली फिल्म निकलने की कार्यवाही की जा रही थी तभी नरसिंहपुर से बांधवगढ की तरफ जा रही एक बुलेरो कार को रोका गया तो उसमे रखे एक बैंग में 5 लाख रुपए मिले वही बुलेरो कार सवार आकाश झारिया से रूपयो संबंधी कागजात मांगे गए तो कागजात न मिलने पर कोतवाली पुलिस ने 5 लाख रुपए जब्त कर रूपयो संबंधी कागजात थाने में पेश करने को कहा है।

पन्ना के खजुराहो लोकसभा से इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन हुआ निरस्त

इंडिया गठबंधन में मचा हड़कंप, जानने क्या थी वजह

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, मध्यप्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण और भाजपा का गढ़ कहीं जाने वाली खजुराहो लोकसभा में इंडिया गठबंधन समर्थित सपा प्रत्याशी मीरा दीप नारायण यादव का नामांकन पत्र निरस्त होने से इंडिया गठबंधन में हड़कंप मच गया है। दीपनारायण यादव ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सुरेश कुमार पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं। बताया गया है कि 2 कमियां निकाल कर फॉर्म निरस्त किया गया है जिनमें पहली कमी वोटर लिस्ट की सर्टिफाइड कॉपी पुरानी है। वोटर लिस्ट में जहां 2 जगह हस्ताक्षर होने थे वहां केवल 1 जगह हस्ताक्षर हैं। दीपनारायण यादव ने बताया कि इसके लिए 4 अप्रैल को जानकारी देनी चाहिए लेकिन नहीं दी गई 5 अप्रैल को भी 3 बजे तक का समय था लेकिन कोई भी जानकारी देने या मौका देने के बजाय सीधे फॉर्म निरस्त करने की बात कह दी गई और अभी तक कोई लिखित जानकारी नहीं दी गई। इसके अलावा दीप नारायण यादव ने दावा किया है कि फॉर्म चाहे निरस्त हो जाए लेकिन वह चुनाव लड़ेंगे अभी 15 फॉर्म और पड़े हैं किसी न किसी प्रत्याशी को वह समर्थन देकर सबके साथ बैठकर उसे जिताने का प्रयास करेंगे।

कटनी में एक युवक के उपर दो अज्ञात युवको ने करा हमला

पुलिस ने मामले की जाँच शुरू की

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र बरगवा इलाके स्थित दो अज्ञात युवक हाथो में डंडे लिए अचानक घुसे और कॉफी हाउस में बैठे एक युवक पर अचानक हमला कर दिया डंडा लगाते युवक कॉफी हाउस से अचानक बाहर की ओर भागा वही पीछे पीछे हाथो में डंडा लिए दोनो युवक कॉफी हाउस से बाहर आ गए जिसका सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। इस पूरे मामले की जैसे ही रंगनाथ नगर थाने की पुलिस को सूचना मिली वह मौके पर पहुंच गई और सीसीटीवी के वीडियो को खंगाल रही है। थाना प्रभारी नवीन नामदेव ने बताया की कटनी बरगवा स्थित इंडियन कैफे हाउस मे उनके दो लड़के आज्ञात करणो से दोनो आपस मे मारपीट करने लेंगे उसी मामले की जांच करने के लिए सी सी टी वी फुटेज से जांच की जा रही फुटेज में चेहरे साफ नजर नही आ रहा लेकिन इनकी शिकायत पर मामले को क़ायम किया गया। वही यह भी बताया जा रहा है की पुराने विवाद के चलाते यह मारपीट हुई है।

कार की टक्कर के बाद पलटी एसएएफ

जवानों से भरी बस, कार सवार तीन की मौत

सिवनी। जिला मुख्यालय से करीब 50 किमी दूर सिवनी-मंडला स्टेट हाईवे में केवलारी थाना अंतर्गत धानागाढ़ा गांव के पास शुक्रवार-शनिवार की रात करीब 1 बजे 35वीं बटालियन मंडला विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के 31 जवानों को लेकर बस पांढुरना (छिंदवाड़ा) जा रही थी। इसी दरम्यान नागपुर से मंडला आ रहे कार वाहन से बस की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद एसएएफ जवानों का बस वाहन सड़क पर पलट गया। इस भीषण सड़क दुघर्टना में कार ड्राइवर सहित इसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि दो घायलों का इलाज जारी है। वहीं हादसे में बस में सवार 26 एसएएफ जवान घायल हो गए जिनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केवलारी अस्पताल में चल रहा है। घायलों में विशेष सशस्त्र बल के एक जवान मदन भांडे (43) की नाजुक हालत देखते हुए उसे नागपुर रेफर कर दिया गया है।नागपुर इलाज कराने के बाद शुक्रवार-शनिवार रात लौट रहे थे कार सवार केवलारी थाना प्रभारी चैनसिंह उइके ने नईदुनिया को बताया कि कार सवार मृतकों की पहचान कन्हैया जसवानी (75), निकलेश जसवानी (45), ड्रायवर पुरूषोत्तम महोबिया (37) सभी मंडला निवासी के रूप में हुई है। वहीं कार में सवार अन्य दो घायलों अशोक कुकरेजा (53) और ममता जसवानी (42) का इलाज केवलारी अस्पताल में जारी है। मंडला निवासी जसवानी परिवार कार वाहन क्र. एमपी 51 जेबी 1369 से नागपुर इलाज कराने के बाद शुक्रवार-शनिवार रात वापस लौट रहा था। धानागाड़ा के पास सड़क के बड़े-बड़े गड्ढों से कार अनियंत्रित हो गई थाना प्रभारी चैनसिंह उइके ने बताया कि मंडला बटालियन कैम्प से वीआइपी ड्यूटी करने एसएएफ अधिकारी सहित जवानों को लेकर बस पांढुरना (छिंदवाड़ा) जा रही थी। धानागाड़ा के पास सड़क के बड़े-बड़े गड्ढों से कार अनियंत्रित होकर की टक्कर एसएएफ जवानों से भरे बस की जोरदार टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार और बस में सवार घायलों को तत्काल केवलारी केवलारी अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों के शव का केवलारी अस्पताल में पोस्ट मार्टम कराया जा रहा है। पुलिस घटना की विस्तृत जांच कर रही है।

श्रद्धालुओं का बीच बचाव करने आए युवकों को बदमाशों ने मारे चाकू, एक आरोपित गिरफ्तार

उज्जैन। उज्जैन में श्रद्धालुओं से झगड़ रहे बदमाशों ने बीचबचाव करने वाले 6 लोगों को चाकू मारकर घायल कर दिया। श्रद्धालु महाकाल मंदिर जा रहे थे। उनकी कार नलिया बाखल इलाके में ई-रिक्शा से टकरा गई। घटना शुक्रवार रात 11.30 बजे की है। हालात देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात करना पड़ा है।ई-रिक्शा ड्राइवर अमन बकरी को श्रद्धालुओं से बहस करते देख मौके पर खड़े विशाल प्रजापत और ऋतिक यादव ने रोका। इस पर अमन दोनों से बहस करने लगा। उसके साथी भी आ गए। विशाल और ऋतिक के दोस्त भी बीचबचाव के लिए आ पहुंचे। बदमाशों ने सभी पर चाकुओं से हमला किया।चाकू लगने से घायल अमन (26) पिता राजेश प्रजापति, विशाल (31) पिता सुरेश प्रजापति, राजेश (52) पिता इंदरलाल प्रजापति, पिंटू (38) पिता भेरूलाल संत, रितिक मराठा (23), गौतम ठाकुर (24) को जिला अस्पताल लाया गया। सभी महाकाल थाना क्षेत्र के नलिया बाखल के रहने वाले हैं।पुलिस ने आरोपित शिकारी गली निवासी अमन बकरी को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ 307 (हत्या के प्रयास) में केस किया गया है। पुलिस ने बताया कि कोर्ट से रिमांड लेकर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएसपी ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज देखकर बाकी आरोपियों का पता लगाया जा रहा है।

ईरान की जवाबी हमले की धमकी के बाद

इजराइल और अमेरिका में हाई अलर्ट

इंटरनेशनल डेस्क: वाशिंगटन और मध्य पूर्व में अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि वे सीरिया के दमिश्क में सोमवार के इजराइली हवाई हमले पर संभावित ईरानी प्रतिक्रिया के लिए तैयार हैं। इलाके में अमेरिकी सैन्य बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एक इजराइली अधिकारी के अनुसार, इजराइल ने भी अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने घोषणा की है कि वह कॉम्बैट यूनिट में काम करने वाले सभी सैनिकों की सभी छुट्टियां रद्द कर रहा है। इससे एक दिन पहले वायु रक्षा यूनिट्स को मजबूत करने के लिए रिजर्व में रखे गए बलों को भी बुलाया गया है। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका हाई अलर्ट पर है क्योंकि सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजरायल के हालिया हमले के जवाब में ईरान इजराइली या अमेरिकी संपत्तियों को निशाना बना सकता है। अधिकारी ने अगले सप्ताह के भीतर संभावित हमले की रिपोर्टों की पुष्टि करते हुए कहा, हम निश्चित रूप से उच्च सतर्कता की स्थिति में हैं। संदिग्ध इज़रायली युद्धक विमानों ने दमिश्क में ईरान के दूतावास पर बमबारी की, जिसके परिणामस्वरूप एक वरिष्ठ कमांडर, मोहम्मद रज़ा ज़ाहेदी सहित सात ईरानी सैन्य सलाहकारों की मौत हो गई। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि हमले में सात ईरानी सैन्य सलाहकारों की मौत हो गई है जिसमें उसके कुद्स फोर्स के एक वरिष्ठ कमांडर मोहम्मद रज़ा ज़ाहेदी भी शामिल हैं, जो एक विशिष्ट विदेशी जासूसी और अर्धसैनिक शाखा है। ईरान ने कहा है कि वह निर्णायक प्रतिक्रिया लेने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इन सबके बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर ईरान से खतरे पर चर्चा की।

तनाव के बीच भारत ने दी मालदीव को बड़ी राहत

प्याज, चावल, आटा, चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

नेशनल डेस्क: भारत ने चालू वित्त वर्ष के दौरान मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी और दाल जैसी कुछ वस्तुओं की निर्दिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंध शुक्रवार को हटा दिया। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत मालदीव को इन वस्तुओं के निर्यात की अनुमति दी गई है। डीजीएफटी ने कहा, मालदीव को अंडे, आलू, प्याज, चावल, गेहूं का आटा, चीनी, दाल, बजरी और नदी की रेत के निर्यात की अनुमति दी गई है... मालदीव को इन वस्तुओं के निर्यात को किसी भी मौजूदा या भावी प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी। आमतौर पर इन वस्तुओं के निर्यात पर या तो पूरी तरह प्रतिबंध है या सीमित निर्यात की अनुमति दी जाती है। निर्यात के लिए निर्दिष्ट मात्रा में आलू (21,513.08 टन), प्याज (35,749.13 टन), चावल (1,24,218.36 टन), गेहूं का आटा (1,09,162.96 टन), चीनी (64,494.33 टन), दाल (224.48 टन), बजरी (10 लाख टन) और नदी की रेत (10 लाख टन) शामिल है।

ताइवान और इंडोनेशिया के बाद अब अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी को लगे भूकंप के झटके, इमारतें हिली

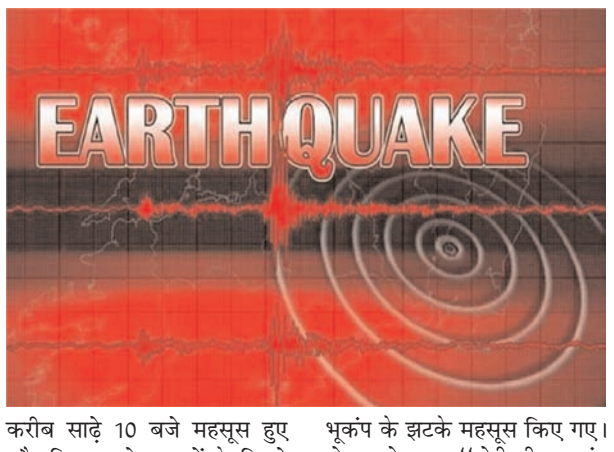

न्यूयॉर्क: ताइवान और इंडोनेशिया के बाद अब अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी को भी जोरदार भूकंप के झटके लगने की सूचना सामने आ रही है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने कहा कि शुक्रवार सुबह घनी आबादी वाले न्यूयॉर्क सिटी महानगर क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस बीच, भूकंप के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक बैठक में थोड़ी देर के लिए व्यवधान पैदा हुआ। निवासियों ने बताया कि उन्होंने पूर्वी तट पर समुद्र में ऊंची लहरें उठती हुए देखी। मैनहट्टन, ब्रुकलिन, कैलिफोर्निया में भूकंप के झटके महसूस किए गए

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 4.8 मापी गई और इसका केंद्र न्यूयॉर्क से करीब 45 मील पश्चिम में स्थित न्यूजर्सी के लेबनान के समीप पाया गया। न्यूयॉर्क सिटी के दमकल विभाग ने बताया कि भूकंप के झटके सुबह करीब साढ़े 10 बजे महसूस हुए और विभाग को इमारतों के हिलने की खबरें मिल रही हैं। उसने बताया कि अभी नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। मैनहट्टन, ब्रुकलिन, कैलिफोर्निया, बाल्टीमोर, फिलाडेल्फिया, कनेक्टिकट और पूर्वी तट के अन्य इलाकों में निवासियों ने भूकंप के झटके महसूस किए। न्यूयॉर्क के राज्यपाल कैथी होचुल ने 'एक्स पर पोस्ट किया कि पूरे राज्य में भूकंप के झटके महसूस किए गए। होचुल ने कहा, ''मेरी टीम भूकंप के असर और उससे संभावित नुकसान का आकलन कर रही है तथा हम बाद में जनता को इसकी जानकारी देंगे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में पश्चिम एशिया में स्थिति पर चर्चा हो रही थी और कमरे में बैठे राजनयिको के भूकंप के झटके महसूस करने के बाद इसमें थोड़ी देर के लिए व्यवधान आया।

वाणिज्य दूतावास पर हवाई हमले करने वालों पर होगी कार्रवाई, ईरान ने दी

तेहरान = ईरान के सैन्य बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर ने सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हवाई हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई किये जाने की शुक्रवार को चेतावनी दी। इस हमले में ईरान के दो जनरल समेत समूह के सात सदस्यों की मौत हो गई थी। हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हमले में ईरान का वाणिज्य दूतावास नष्ट हो गया था। सीरिया की राजधानी दमिश्क में एक हवाई हमले में मारे गए 'रिवोल्यूशनरी गार्ड के सात सदस्यों के समर्थन में यहां हजारों की संख्या में जुटे लोगों ने इजराइल और अमेरिका विरोधी नारे लगाये। ईरान की राजधानी तेहरान में प्रदर्शनकारी तेहरान विश्वविद्यालय की ओर बढ़े, जहां रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर जनरल हुसैन सलामी ने लोगों को संबोधित किया। सलामी ने कहा कि इजराइल द्वारा किये गये हर हमले का मुंह तोड़ जवाब दिया जायेगा। गाजा में छह महीने पुराने इजराइल-हमास युद्ध की पृष्ठभूमि में तनाव बढ़ने की आशंका है। इस्लामी आतंकवादी समूह हमास ने गाजा में 17 वर्ष तक शासन किया था।

अचानक से लगी अनाथालय में आग, 16

बच्चों की बाल बाल बची जान, जांच जारी

नेशनल डेस्क- थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 26 स्थित रामकृष्ण विवेकानंद मिशन ट्रस्ट के अनाथालय में शुक्रवार देर रात अज्ञात कारण से आग लग गई। मौके पर पहुंचे अग्निशमन दल ने आग पर काबू पाया। आग में फंसे 16 बच्चों और तीन कर्मचारियों को सकुशल बाहर निकला गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार आग भवन के स्टोर रूम में लगी थी। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शुक्रवार देर रात दो बजे के करीब दमकल पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर 26 के सी-ब्लॉक स्थित रामकृष्ण विवेकानंद मिशन ट्रस्ट के अनाथालय में आग लग गई है। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग पूरी तरह बुझा दी गई है। उन्होंने बताया कि अनाथालय में रह रहे 16 बच्चों (उम्र 4 वर्ष से 12 वर्ष तक) तथा तीन केयरटेकर को सकुशल भवन से बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आग अनाथालय के स्टोर रूम में लगी थी।

हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी

रेलवे विभाग ने लिया यह फैसला

जम्मू- नार्दर्न रेलवे ने सोमवार को पड़ने वाली सोमवती अमावस्या के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कंट्रोल करने के लिए जम्मू से हरिद्वार तक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार विशेष ट्रेन श्री माता वैष्णो देवी से चलेगी और शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन उधमपुर, जम्मू तवी रेलवे स्टेशन, कठुआ स्टेशन और रास्ते में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों से होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। विशेष ट्रेन (04676 ई.एक्स. एस.वी.डी.के.) कटड़ा स्टेशन से उक्त दिन 18.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन हरिद्वार में 11.30 बजे पहुंचेगी जबकि यह 8 अप्रैल को (04675 ई.एक्स. एच.डब्ल्यू.) हरिद्वार से 21.00 बजे वापसी यात्रा शुरू करेगी और अगले दिन सुबह 06.30 बजे वापस पहुंचेगी। रेलवे के अनुसार जनता की मांग पर विशेष ट्रेन चलाई जाएगी जिसमें 17 कोच होंगे। हरिद्वार जाने वाली ट्रेनों में भारी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए स्पैशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

सिडनी एयरपोर्ट पर शर्मनाक करतूत, पैसेंजर ने कप में पेशाब कर फ्लाइट अटेंडेंट पर फेंक दिया

इंटरनेशनल डेस्क- सिडनी हवाई अड्डे पर उड़ान के पहुंचने के बाद विमान से उतरने में देरी के दौरान कप में पेशाब करने के लिए एक यात्री पर जुर्माना लगाया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना, पिछले दिसंबर में ऑकलैंड से 3 घंटे की एयर न्यूजीलैंड की उड़ान के बाद हुई थी और सिडनी की एक अदालत ने फरवरी में आक्रामक व्यवहार के लिए 53 वर्षीय व्यक्ति पर 600 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (395 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया था। कप में पेशाब कर रहा था व्यक्ति यह घटना शुक्रवार को लोगों के ध्यान में आई, जब न्यूजीलैंड की समाचार वेबसाइट 'स्टफ% ने बताया कि उसी पंक्ति में एक यात्री हॉली ने कहा कि उसने विमान के चालक दल को इस व्यवहार की सूचना दी थी। उसने कहा कि वह और उसकी 15 वर्षीय बेटी गलियारे और बीच की सीटों पर बैठी थीं, तभी खिड़की वाली सीट पर बैठा व्यक्ति एक कप में पेशाब कर रहा था। यात्री का नाम जारी नहीं पुरुष यात्री का नाम जारी नहीं किया गया है।

इजराइल ने गाजा में सहायता कर्मियों पर ड्रोन हमलों को लेकर दो अधिकारियों को बर्खास्त किया

तेल अवीव = इजराइल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने गाजा में ड्रोन हमलों में भूमिका के लिए दो अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। सेना ने तीन अन्य अधिकारियों को इस संबंध में चेतावनी दी है। इन हमलों में खाद्य सामग्री पहुंचाने के अभियान में शामिल सात सहायता कर्मियों की मौत हो गई थी। सेना ने कहा कि इन अधिकारियों ने गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग किया और सेना के नियमों का उल्लंघन किया था। फलस्तीनियों, सहायता समूहों और मानवाधिकार संगठनों ने कई बार इजराइली बलों पर नागरिकों पर लापरवाही से गोलीबारी करने का आरोप लगाया है और इजराइल इस आरोप से इनकार करता रहा है। सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने संवाददाताओं से कहा, ''यह एक त्रासदी है।%% उन्होंने कहा, ''यह एक गंभीर घटना है जिसके लिए हम जिम्मेदार हैं और ऐसा नहीं होना चाहिए था और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो।%% सेना के अधिकारियों ने कहा कि इजराइली सेना के नियमों के अनुसार, लक्ष्य पर हमला करने से पहले उसकी खतरे के रूप में पहचान की जानी चाहिए। सेना ने कहा कि कर्नल और मेजर को बर्खास्त कर दिया गया है, जबकि तीन अन्य अधिकारियों को चेतावनी दी गई है।

फैक्ट्री मालिक ने पत्नी को नौकर के साथ आपत्तिजनक हालत

में देखा तो रची ये खुंखार साजिश, ऐसे हुआ खुलासा

नेशनल डेस्क- फैक्ट्री मालिककी पत्नी के नौकर से अवैध संबंध के बाद पति ने ऐसी खुंखार साजिश रची कि पुलिस के भी होश उड़ गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 1 अप्रैल को एक रेस्तरां कर्मचारी सचिन की पहले अपहरण होने की सूचना मिली थी जो कि सचिन की मां सुभद्रा देवी नेदर्ज करवाई थी। कनॉट प्लेस थाना एसएचओ संजीव कुमार की टीम ने जब जांच शुरू की तो पुलिस ने सचिन के फोन नंबर की कॉल डिटेल खंगाली तो पता चला कि आखिरी बार उसकी बात शमीना बेगम से हुई थी। पुलिस ने शमीना बेगमके बारे पता किया तो उसके पति हबीब सिद्दीकी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारा मामला खुल कर सामने आया। पुलिस ने बताया कि हबीब की संगम विहार में फैक्ट्री है, जिसमें पहले सचिन काम करता था। इस बीच सचिन और हबीब की पत्नी शमीना बेगम के बीच अवैध संबंध बन गए। फरवरी में हबीब ने अपनी पत्नी और सचिन को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद पति पत्नी में झगड़ा हो गया और उसने सचिन को नौकरी से निकाल दिया था। इसके बाद महिला ने भी सचिन से रिश्ता खत्म कर लिया और इसके बाद पति ने बदला लेने के लिए अपने भाई के साथ मिलकर साजिश रची और सचिन को बहाने से अपने घर बुलाया जहां हत्या की इस वारदात को अंजाम दे दिया और लाश गाजियाबाद में डासना नहर के पास फेंक दिया। डालांकि, कनॉट प्लेस थाना पुलिस ने बुधवार को इस मर्डर केस में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569